संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 275
पृष्ठ 8
गुरूवार
25 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- स्किन प्राब्लम को घरेलू नुस्खों...

विचार- शिक्षा पर जागरुक हुआ समाज

खेल- सूर्यांश शेडगे में 10 साल तक...

राष्ट्र की प्रगति के लिए सामूहिक समर्पण जरूरी : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर राष्ट्र की समृद्धि और विकास को लेकर एक संस्कृत सुभाषित साझा किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक समर्पण और पुरुषार्थ से राष्ट्र की समृद्धि अक्षुण्ण बनी रहती है तथा यही भावना समाज को नई ऊर्जा प्रदान कर विकास के संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रधानमंत्री ने लिखा, "सामूहिक समर्पण और पुरुषार्थ से राष्ट्र की समृद्धि अक्षुण्ण रहती है। यही भावना समाज को नई ऊर्जा देती है और विकास के संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करती है।" उन्होंने संस्कृत श्लोक 'यत्रोत्साहसमारम्भो यत्रालस्यविहीनता। नय विक्रमसंयोगस्तत्र श्रीरचला ध्रुवम्ध्' भी साझा किया। इसका हिंदी अर्थ बताते हुए कहा गया कि जहां परिश्रम राष्ट्रभक्ति के प्रखर उत्साह से प्रेरित होता है, जहां आलस्य से पूर्णतरू रहित होकर निरंतर कर्तव्यों का निर्वहन किया जाता है और जहां विनम्रता साहस के साथ संतुलित होती है, वहीं त्याग, तप और समर्पण के बल पर राष्ट्र की समृद्धि सदा अटल और चिरस्थायी बनी रहती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 23 जून को भी एक संस्कृत सुभाषित साझा किया था। उस दिन उन्होंने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद

मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा था, "निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र और समाज की सेवा में आजीवन समर्पित रहे देश की महान विभूति डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि। उनके प्रखर विचार और आदर्श देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।"

प्रधानमंत्री ने उस अवसर पर 'न कर्मणा न प्रजया धनेन त्यागेनैके अमृतत्वमानशुः। परेण नाकं निहितं गुहायां विभ्राजते यद्यतयो विशन्तिध श्लोक भी साझा किया था। इसका हिंदी अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा था कि अमृतत्व केवल कर्म, धन या वंश से प्राप्त नहीं होता, बल्कि त्याग और उच्च आदर्शों के प्रति पूर्ण समर्पण से प्राप्त होता है। जो व्यक्ति राष्ट्र, समाज और सत्य के लिए अपने स्वार्थों का त्याग करते हैं, उनका जीवन काल की सीमाओं से परे जाकर जनमानस में अमर हो जाता है। सोमवार को साझा किए गए एक अन्य संस्कृत सुभाषित में प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि योग न केवल दुनियाभर में करोड़ों लोगों को शारीरिक रूप से स्वस्थ बना रहा है।

ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग में सीएम योगी बोले-

यूपी निवेशकों की पहली पसंद

बेंगलूरू,एजेंसी।। यूपी में निवेश को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार बुधवार को बेंगलुरु में बड़ा आयोजन किया है। दिनभर चर्चाओं, राउंड टेबल टॉक, प्रेजेंटेशन के बीच सबड़ा रोड शो भी हुआ। सीएम योगी ने कहा कि यूपी की बेहतर कानून–व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेशक के हित की नीतियों के चलते यूपी निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। वह वहां अलग–अलग कंपनियों के सीईओ से मिल रहे हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग 2026 में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि नवाचार, प्रौद्योगिकी और सुशासन आध ारित विकास मॉडल के साथ नया उत्तर प्रदेश आज वैश्विक निवेशकों के लिए विश्वास और विकास का फेवरेट डेस्टिनेशन बनकर उभर रहा है। सीएम योगी ने इस कार्यक्रम के लिए यूपी की निवेश–अनुकूल नीतियों, सुदृढ़ कानून–व्यवस्था, विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना तथा असीम विकास संभावनाओं को प्रस्तुत किया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की बेहतर कानून–व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेशक के हित की नीतियों के

चलते यूपी निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार बुधवार को बेंगलुरु में बड़ा आयोजन किया है। दिनभर चर्चाओं, राउंड टेबल टॉक, प्रेजेंटेशन के बीच सबड़ा रोड शो भी हुआ। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इसका मकसद खासकर आईटी सेक्टर की कंपनियों को यूपी में निवेश के लिए आकर्शित करना तथा उत्तर प्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) नीति की जानकारी देना है। प्रदेश सरकार ने टेक्नोलॉजी और कारपोरेट सेक्टर को आकर्षित करने के लिए बुधवार को बेंगलुरु में एक बड़ा इन्वेस्टमेंट रोड शो किया। रोड शो का आयोजन इन्वेस्ट यूपी ने किया।

सोशल मीडिया पर छाई कॉजपा, लेकिन जयराम रमेश ने क्यों कहा, यह राजनीतिक दल नहीं?

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के विरोध प्रदर्शन को लेकर कहा कि यह युवाओं की हताशा को जाहिर करने का एक जरिया हो सकता है, लेकिन आखिरकार इसके उठाए मुद्दों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी राजनीतिक दलों की है। रमेश ने कहा कि लोकतंत्र केवल आंदोलनों के भरोसे नहीं चल सकता और उसकी नींव राजनीतिक दलों पर ही टिकी होती है। कॉजपा के आंदोलन के बारे में पूछे जाने पर रमेश ने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि यह डीप स्टेट द्वारा प्रायोजित है, कुछ लोग इसे युवाओं की हताशा बताते हैं। इनमें से किसी भी बात को साबित करने का कोई तरीका नहीं है, लेकिन तथ्य यह है कि इसने सोशल मीडिया में काफी जगह बनाई और खूब सुर्खियां बटोरीं, लेकिन यह कोई राजनीतिक दल नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, आखिरकार राजनीतिक दल ही मायने रखते हैं। पार्टी की संगठनात्मक संरचना ही महत्वपूर्ण होती है। हालांकि यह युवाओं की हताशा को प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण जरिया है, लेकिन मेरा मानना है कि स्थापित राजनीतिक दलों को इस मुद्दे को आगे बढ़ाना होगा। रमेश ने कहा कि आंदोलनों का अपना महत्व है, लेकिन लोकतंत्र केवल आंदोलनों पर निर्भर नहीं रह सकता, क्योंकि लोकतंत्र की बुनियाद राजनीतिक दल ही होते हैं। कॉजपा पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के जंतर–मंतर पर धरना दे रही है। वह मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी का प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रध ान के इस्तीफे की मांग कर रही है।

प्रियंक खरगे का बड़ा आरोप-ईडी, आईटी और सीबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक मकसद के लिए किया जा रहा है

नयी दिल्ली,एजेंसी। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने बुध ावार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ईडी आयकर विभाग और सीबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक मकसद के लिए कर रही है। प्रियंक ने कर्नाटक में अधिकारियों के यहां छापेमारी की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने दावा किया कि 12 वर्षों में हजारों बार तलाशी लेने के बावजूद, ईडी द्वारा दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की दर बहुत कम रही, यह एक ऐसा आंकड़ा है जिसने राजनीतिक मंशा के शक को और गहरा कर दिया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पिछले 12 वर्षों में पूरे भारत में हजारों बार तलाशी ली गई है। दोषी ठहराए जाने की दर दो प्रतिशत से भी कम है। इससे क्या पता चलता है? क्या आप अब भी कह सकते हैं कि ये कार्रवाई राजनीतिक कारणों से प्रेरित नहीं हैं? प्रियंक ने आरोप लगाया कि आयकर विभाग, ईडी और सीबीआई केंद्र सरकार के हथियार बन गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा बार–बार यह कहना कि केंद्रीय एजेंसियां कांग्रेस नेताओं को निशाना बना सकती हैं, इस धारणा को और मजबूत करता है कि ऐसी जांच राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। जब पूछा गया कि क्या उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है, तो मंत्री ने कहा कि यह बिल्कुल संभव है। उन्होंने कहा, अगर ऐसा होना है, तो कभी न कभी तो होगा ही। क्या भाजपा नेताओं ने धमकियां नहीं दी हैं? भाजपा के मौजूदा सांसद और विधायक ऐसा कह रहे हैं, वे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं और हमें फोन करके भी ऐसा कह रहे हैं। इसमें नया क्या है? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित बेंगलुरु दौरे के बारे में पूछे गए एक सवाल पर मंत्री ने कहा कि वह शायद दस्तावेज जमा करने के लिए शहर का दौरा करेंगे। प्रियंक खरगे पिछले एक महीने से आरएसएस को निशाना बना रहे हैं और संगठन से उसके पंजीकरण और आर्थिक लेन–देन के बारे में जानकारी देने के लिए कह रहे हैं। आरएसएस प्रमुख का जिक्र करते हुए प्रियंक ने कहा, मुझे नहीं पता। कहा जा रहा है कि मोहन भागवत बेंगलुरु आ रहे हैं।

भाजपा-अकाली गठबंधन का अध्याय अभी बंद नहीं, समय आने पर होगा फैसला :नबीन

नयी दिल्ली पंजाब में शिरोमणि अकाली दल या किसी अन्य अकाली धड़े के साथ भविष्य में गठबंधन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितिन नबीन ने बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि गठबंधन को लेकर अभी दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं और इस संबंध में कोई भी फैसला सही समय आने पर ही लिया जाएगा। अपने हालिया पंजाब दौरे के दौरान जालंधर में आयोजित एक मीडिया कॉन्क्लेव में पूछे गए सवाल के जवाब में नबीन ने कहा, कुछ निश्चित मुद्दों को सही समय आने पर हल कर लिया जाएगा। भाजपा नेता ने इस बात को दोहराया कि मौजूदा हालात में पार्टी का पूरा ध्यान पंजाब के हर विधानसभा क्षेत्र में अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने पर है। नबीन ने कहा, अभी हम इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जब चुनाव नजदीक

आएंगे और राजनीतिक गतिविधियां बढ़ेंगी, तब हम उस समय की परिस्थितियों का आकलन करेंगे और उसी के आधार पर (गठबंधन पर) निर्णय लेंगे। आज के दिन हम न तो गठबंधन के पक्ष में हैं और न ही इसके खिलाफ हैं। पार्टी की तात्कालिक रणनीति को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने फिलहाल अपने दम पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। नबीन ने कहा, हम अपनी खुद की ताकत से आगे बढ़ना चाहते हैं। समय के साथ कई चीजें अपने आप स्पष्ट हो जाएंगी। जहां तक गठबंधन का सवाल है, तो उस पर फैसला लेने के लिए अभी काफी वक्त है। आज इसका समय नहीं है, सही समय को आने दीजिए। नितिन नबीन ने बताया कि राज्य के नए प्रदेश अध यक्ष के नेतृत्व में पार्टी अगले छह महीने तक अपनी तय योजनाओं और रणनीति के तहत काम करेगी। उन्होंने कहा, अगले छह महीनों में हम खुद को मजबूत आधार पर स्थापित करेंगे, हर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मुद्दे को उठाएंगे और सीधे जनता के बीच जाएंगे। भविष्य में गठबंधन करना है या नहीं, यह आगे तय होगा।

बीजेपी में गए नेताओं की कांग्रेस में वापसी नहीं होनी चाहिए', जयराम रमेश बोले– ऐसा सोचना भी शर्मनाक

नयी दिल्ली देश में हाल के दिनों में विभिन्न राज्यों में नेताओं के दल बदलने की घटनाएं चर्चा का विषय बनी हुई हैं। खासकर पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र की राजनीति में लगातार सामने आ रहे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने वाले नेताओं को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को दोबारा कांग्रेस में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है और इसे पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं माना जाना चाहिए। एक इंटरव्यू के दौरान जयराम रमेश ने कहा कि जिन नेताओं ने कांग्रेस में रहते हुए संगठन और सत्ता के लाभ उठाए और बाद में भाजपा का दामन थाम लिया, उनकी वापसी पर विचार करना भी उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को वापस बुलाने के बारे में सोचना भी पार्टी के लिए शर्मनाक स्थिति पैदा कर सकता है। रमेश ने कहा कि यह टिप्पणी किसी एक

व्यक्ति को लेकर नहीं, बल्कि उन सभी नेताओं के संदर्भ में है, जिन्होंने कांग्रेस में महत्वपूर्ण पदों और अवसरों का लाभ उठाने के बाद पार्टी छोड़ दी। पिछले एक दशक में कांग्रेस के कई प्रमुख युवा नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़कर भाजपा का रुख किया है। इनमें ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद और मिलिंद देवड़ा जैसे नाम प्रमुख हैं। ये नेता कभी कांग्रेस की नई पीढ़ी के नेतृत्व का हिस्सा माने जाते थे और गांधी परिवार, विशेषकर राहुल गांधी के करीबी माने जाते थे। जब जयराम रमेश से पूछा गया कि भविष्य में यदि ऐसे नेताओं की वापसी का सवाल उठे तो क्या कांग्रेस को उन्हें दोबारा मौका देना चाहिए, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनकी राय में ऐसा नहीं होना चाहिए। जयराम रमेश ने कहा कि बीते 12 वर्षों में यह स्पष्ट हो गया है कि कौन नेता पार्टी की विचारध ारा के साथ मजबूती से खड़ा रहा और कौन सत्ता तथा पद के कारण दूसरे रास्ते पर चला गया। उनके अनुसार, आज कांग्रेस में वही लोग हैं जो पार्टी की मूल विचारधारा और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ युवा नेताओं ने संगठन में अहम जिम्मेदारियां और अवसर मिलने के बावजूद ऐसी पार्टी का रास्ता चुना, जिसकी विचारधारा कांग्रेस से पूरी तरह अलग है।

वोटर लिस्ट से नाम हटा तो बंद होगा राशन?

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाए जाने और उसके आधार पर राशन कार्ड लाभार्थियों के नाम काटे जाने के आरोपों का मामला अब कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचेगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक याचिकाकर्ता को अपनी याचिका वापस लेने और इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट जाने की अनुमति दे दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले पर पहले हाईकोर्ट का रुख किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान बाहर कर दिए गए हैं, उनके नाम राशन सूची से भी हटाए जाने की आशंका है। याचिका में कहा गया कि इससे बड़ी संख्या में लाभार्थियों के सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से बाहर होने का खतरा पैदा हो सकता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता को कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख करने की छूट दे दी। याचिकाकर्ता का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उनके राशन कार्ड भी रद्द किए जा सकते हैं। वकील ने अदालत को बताया कि कई लाभार्थियों के नाम राशन सूची से हटने का खतरा है, जिससे वे सरकारी खाद्यान्न योजना से वंचित हो सकते हैं। मंगलवार को मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। उस समय भी सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की सलाह दी थी। बुधवार को याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस लेने और हाईकोर्ट जाने की अनुमति मांगी, जिसे शीर्ष अदालत ने स्वीकार कर लिया।

छात्रों की आवाज को आतंकियों की गूंज कहना गलत, धर्मेंद्र प्रधान के बयान पर खरगे हमलावर

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की कथित श्आतंकवादीश टिप्पणी को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों के सवालों का जवाब देने के बजाय उन्हें बदनाम कर रही है। खरगे ने कहा कि देशभर में छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर असंतोष है और ऐसे समय में शिक्षा मंत्री का बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। खरगे ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई परीक्षा पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि नीट पेपर लीक मामले के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या की और अनेक परिवार बर्बाद हो गए। कांग्रेस

अध्यक्ष ने कहा कि इन मुद्दों पर जवाब देने के बजाय शिक्षा मंत्री आंदोलन कर रहे छात्रों की आवाज को श्आतंकियों की गूंजश बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में श्छात्रों की गूंजश और तेज होगी तथा धर्मेंद्र प्रध ान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ेगा। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री अपनी कुर्सी बचाने में लगे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जो भी सरकार से सवाल करता है, उसे देश विरोधी बताया जाता है। खरगे ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले किसानों को श्आंदोलनजीवीश और श्परजीवीश कहकर संबोधित किया था और अब छात्रों की आवाज को भी इसी तरह दबाने की कोशिश की जा रही है। छात्र संगठन सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने भी धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों को न्याय दिलाने की मांग कर रहे युवाओं को श्आतंकवादियों की बी टीमश बताना बेहद आपत्तिजनक है। दिपके ने कहा कि देश के युवा आतंकवादी नहीं हैं और उन्हें देशभक्ति का प्रमाणपत्र देने का अधिकार किसी को नहीं है। कांग्रेस लगातार नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाती रही है। विपक्ष का आरोप है कि बार–बार पेपर लीक होने से छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है। इसी मुद्दे को लेकर कई छात्र संगठन प्रदर्शन भी कर रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि सरकार को परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। धर्मेंद्र प्रध ान की कथित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में संसद और सड़कों पर यह मुद्दा और तेज हो सकता है। विपक्ष शिक्षा मंत्री से माफी और इस्तीफे की मांग कर रहा है, जबकि इस मुद्दे पर सरकार की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

स्टेशनरी की दुकान में लगी भीषण आग, दो बच्चों समेत चार को किया गया रेस्क्यू

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लूकरगंज स्थित सिद्धार्थ स्टेशनरी में बुधवार सुबह अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग ने बगले के एक मकान को भी चपेट में ले लिया। जिसमें दो महिलाएं और दो बच्चे फंस गए। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लूकरगंज स्थित सिद्धार्थ स्टेशनरी में बुधवार सुबह अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग ने बगले के एक मकान को भी चपेट में ले लिया। जिसमें दो महिलाएं और दो बच्चे फंस गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने दरवाजा तोड़कर चारों को रेस्क्यू किया। आग से उठ रहे घने धुएं के कारण पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस और अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग और धुएं के कारण कुछ देर तक क्षेत्र में दहशत का माहौल बना रहा। आग से दुकान में रखी किताबें, फर्नीचर और अन्य सामान जलकर राख हो गए। मकान के हिस्से में भी नुकसान हुआ है। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है, नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

नेपाल से लौटे सीए का घर में फंदे से लटका मिला शव, नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

प्रयागराज। सिविल लाइंस रेलवे कॉलोनी के पास स्थित मकान में मंगलवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट महेंद्र नेफपाने (30) का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सिविल लाइंस रेलवे कॉलोनी के पास स्थित मकान में मंगलवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट महेंद्र नेफपाने (30) का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस को आशंका है कि मानसिक रूप से परेशान होकर महेंद्र ने आत्महत्या की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नेपाल के रहने वाले महेंद्र नेफपाने वहीं के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) थे। सिविल लाइंस के रेलवे कॉलोनी के पास वह परिवार समेत रहते थे। उनके पिता सिविल लाइंस स्थित एक निजी स्कूल में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं। महेंद्र दो भाइयों में छोटे थे। करीब डेढ़ वर्ष पहले उनकी शादी हुई थी। परिजनों के अनुसार, महेंद्र कुछ दिन पहले ही नेपाल से शहर लौटे थे। मंगलवार सुबह उनका बड़ा भाई ट्यूशन पढ़ाने गया था। पिता ड्यूटी पर गए थे। महेंद्र घर में अकेले थे। इसी दौरान महेंद्र का शव कमरे में लोहे के ग्रिल पर दुपट्टे से लटका मिला। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर परिजनों से पूछताछ की। बताया गया कि महेंद्र की पत्नी और मां कुछ दिन पहले नेपाल गई थीं। उन्हें घटना की जानकारी दी गई तो वह बिलख पड़ीं। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

हाईकोर्ट ने शामली के एसपी समेत तीन अधिकारियों से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दीवानी न्यायालय के आदेश की कथित अवहेलना के मामले में पुलिस अधीक्षक शामली, उप–जिलाधिकारी (ऊन) और संबंधित थाना प्रभारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दीवानी न्यायालय के आदेश की कथित अवहेलना के मामले में पुलिस अधीक्षक शामली, उप–जिलाधिकारी (ऊन) और संबंधित थाना प्रभारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने रवींद्र कुमार की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याची ने शामली के कैराना स्थित सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की ओर से 31 मार्च 2026 को पारित अस्थायी निषेधाज्ञा के आदेश की अवहेलना का आरोप लगाया है। कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। मामले की अगली सुनवाई 25 जून को होगी।

प्रवक्ता पद पर शिक्षकों की पदोन्नति के नियम बदले, हजारों को मिलेगा लाभ

प्रयागराज। शासन ने हाईस्कूल सहायक अध्यापकों की इंटरमीडिएट प्रवक्ता पद पर पदोन्नति की शैक्षिक योग्यताओं में संशोधन किया है। यह निर्णय 18 जून को जारी शासनादेश के बाद लिया गया। शासन ने हाईस्कूल सहायक अध्यापकों की इंटरमीडिएट प्रवक्ता पद पर पदोन्नति की शैक्षिक योग्यताओं में संशोधन किया है। यह निर्णय 18 जून को जारी शासनादेश के बाद लिया गया। इससे हजारों शिक्षकों को लाभ मिलेगा। नियमों में बदलाव के कारण असमंजस में पड़े शिक्षकों के लिए अब पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम–1921 के तहत पदोन्नति की शैक्षिक अर्हताओं में कुछ व्यावहारिक समस्याएं आ रही थीं। शासन ने इन समस्याओं के समाधान के लिए नियमों में आवश्यक बदलाव किए हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने इस संबंध में प्रस्ताव शासन को भेजा था। इसे स्वीकृति मिल गई है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने कहा कि नौ सितंबर 2025 से पहले नियुक्त सहायक अध्यापक पूर्व व्यवस्था के अनुसार ही प्रवक्ता पद पर पदोन्नति के लिए योग्य होंगे।

मानसून के बाद होगी शास्त्री पुल की दूसरी लेन की मरम्मत

प्रयागराज। झूंसी से शहर को जोड़ने वाले लाल बहादुर शास्त्री पुल की मरम्मत का काम दो हिस्सों में बांट दिया गया है। अब पुल की दूसरी लेन की मरम्मत मानसून के बाद होगी। ऐसे में 15 जुलाई के बाद पुल की दोनों लेन को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। झूंसी से शहर को जोड़ने वाले लाल बहादुर शास्त्री पुल की मरम्मत का काम दो हिस्सों में बांट दिया गया है। अब पुल की दूसरी लेन की मरम्मत मानसून के बाद होगी। ऐसे में 15 जुलाई के बाद पुल की दोनों लेन को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। वहीं, 28 जून के बाद मानसून आने का अनुमान है। ऐसे में लोक निर्माण विभाग के लिए पुल की मरम्मत में मुश्किल हो सकती है। इसके अलावा स्कूल व हाईकोर्ट भी जुलाई में खुल जाएंगे। इससे पुल पर दबाव बढ़ेगा। वर्तमान में पुल की मरम्मत का काम गर्मी की वजह से रात में चल रहा है। अधिकारियों ने 15 जुलाई तक एक लेन की मरम्मत होने का अनुमान जताया है।

खान सर का कोचिंग सेंटर सील, अग्नि सुरक्षा इंतजाम न होने पर पीडीए ने की कार्रवाई

प्रयागराज। मानक के विपरीत संचालित किए जा रहे कोचिंग संस्थानों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया गया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने मंगलवार को सिविल लाइंस में तीन कोचिंग संस्थानों खान ग्लोबल स्टडीज, राव आईएएस और पितृ छाया को सील कर दिया।

मानक के विपरीत संचालित किए जा रहे कोचिंग संस्थानों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया गया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने मंगलवार को सिविल लाइंस में तीन कोचिंग संस्थानों खान ग्लोबल स्टडीज, राव आईएएस और पितृ छाया को सील कर दिया।

पीडीए के उपाध्यक्ष ऋषि राज ने बताया कि खान ग्लोबल स्टडीज में एक कमरे में एक हजार छात्रों के बैठने के लिए लकड़ी की मेज लगवाई गई है। वहां जगह बहुत ही सीमित है। अगर कोई घटना होती है तो सुरक्षित निकल पाना काफी मुश्किल होगा। जांच के दौरान वहां अग्नि सुरक्षा के इंतजाम भी नहीं मिले। राव आईएएस कोचिंग संस्थान का संचालन भी मानक के विपरीत पाया गया। पितृ छाया कोचिंग संस्थान आवासीय भवन में संचालित किया जा रहा है।

तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इन कोचिंग संस्थानों को सील किया गया है। इसके अलावा शहर के सभी कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई है कि अगर संचालन मानक के विपरीत हो रहा है तो तत्काल बंद कर दें। मानक पूरे करने के बाद ही कोचिंग का संचालन शुरू करें। बुधवार को भी कोचिंग संस्थानों की जांच पड़ताल की जाएगी।

बंद कराई कोचिंग, छात्रों को निकाला बाहर

खान ग्लोबल स्टडीज में कार्रवाई के लिए पीडीए की टीम पहुंची तो वहां कक्षा चल रह थी। कोचिंग को सील करने से पहले सभी छात्रों को बाहर निकाला गया। कोचिंग में नीचे उतरने के लिए एक सीढ़ी थी। छात्रों की संख्या काफी अधिक थी। ऐसे में छात्रों को बाहर निकलने में काफी वक्त लगा। जब सभी छात्र बाहर आ गए, तब पीडीए की टीम ने कोचिंग संस्थान को सील किया। दूसरे कोचिंग संस्थानों में भी कमोवेश यही स्थिति रही।

23 संस्थानों की जांच, 13 में नहीं मिले इंतजाम

लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड के बाद शुरू हुई जांच में प्रयागराज के कोचिंग संस्थानों में भी सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है। अग्निशमन विभाग ने मंगलवार को जिलेभर में 23 संस्थानों में व्यवस्थाएं परखीं। अधिकतर में सुरक्षा मानकों की कमी मिली। 13 कोचिंग संस्थानों को नोटिस दिया गया है। सात दिन में व्यवस्थाएं ठीक न करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्र मोहन शर्मा के नेतृत्व में टीम ने कर्नलगंज व टैगोर टाउन में कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी और शिक्षण संस्थानों की जांच की। कई संस्थानों में फायर सेफ्टी उपकरण तो मिले, लेकिन वे काम नहीं कर रहे थे। अतिरिक्त प्रवेश और निकास मार्ग, पानी की व्यवस्था, अग्निशमन यंत्र और इमरजेंसी लाइटिंग सिस्टम जैसे जरूरी इंतजामों की भी कमी मिली।

चेकिंग के दौरान कई कोचिंग संस्थान बंद मिले हैं। स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई है। जिन संस्थानों में खामियां मिली हैं, उनके संचालकों को सात दिन का समय दिया गया है। इसके बाद भी सुधार नहीं होने पर कार्रवाई की जाएगी। – चंद्र मोहन शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी

लखनऊ हादसे के बाद शहर के व्यावसायिक मॉल, कोचिंग संस्थानों, ई–पुस्तकालयों, भोजनालयों, होटलों, अस्पतालों समेत अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में अग्निशमन व आपदा सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा की गई। मंगलवार को महापौर ने नगर निगम और अग्निशमन विभाग को संयुक्त जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्र, अग्निशमन अलार्म, धुआं संसूचक और छिड़काव प्रणाली की जांच की जाएगी। आपातकालीन निकास मार्गों सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और क्रियाशीलता भी जांची जाएगी।

महापौर ने चेतावनी दी कि अनुपलब्ध, निष्क्रिय या अवधि समाप्त यंत्र मिलने पर तत्काल नोटिस जारी होगा। कमियां दूर न करने पर कठोर प्रशासनिक और विधिक कार्रवाई की जाएगी।नगर आयुक्त सीलम साई तेजा ने अधिकारियों को निरीक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में अधिशासी अभियंता अनिल मौर्य और सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा मौजूद रहीं।

एमबीबीएस छात्रा ही नहीं 25 और मौतों का राज भी फॉरेंसिक लैब की शीशियों में कैद, नहीं आई रिपोर्ट

प्रयागराज। झलवा की एमबीबीएस छात्रा सृष्टि मिश्रा की मौत का राज जानने के लिए उसका विसरा जांच के लिए भेजा गया है लेकिन वह अकेली नहीं है जिसकी मौत का सच रिपोर्ट के इंतजार में अटका हो, ऐसी कई मौतें हैं जिनका राज फॉरेंसिक लैब की शीशियों में कैद है।

झलवा की एमबीबीएस छात्रा सृष्टि मिश्रा की मौत का राज जानने के लिए उसका विसरा जांच के लिए भेजा गया है लेकिन वह अकेली नहीं है जिसकी मौत का सच रिपोर्ट के इंतजार में अटका हो, ऐसी कई मौतें हैं जिनका राज फॉरेंसिक लैब की शीशियों में कैद है। पुलिस अफसरों ने बताया कि जिले में पिछले डेढ़ साल में 45 लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है।

इसमें अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के हॉस्टल में रहने वाले वॉलीबॉल खिलाड़ी प्रत्यूष राय, एसआरएन के रेजिडेंट डॉक्टर आदित्य की मौत भी शामिल है। कई मामलों में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर विसरा सुरक्षित कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। इनमें से 25 मामलों की रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट आने पर मौत के कारण का पता चलेगा। वॉलीबॉल खिलाड़ी की मौत की वजह जानने के लिए डीसीपी मनीष कुमार शांडिल्य ने कई बार फॉरेंसिक टीम को रिमांइडर भेजा लेकिन रिपोर्ट नहीं आई।

विसरा (शरीर के अंदरूनी अंगों के नमूने) को तब सुरक्षित किया जाता है, जब पोस्टमार्टम के दौरान मौत का कारण साफ नहीं हो पाता या किसी संदिग्ध परिस्थिति की आशंका होती है। डॉक्टर पेट, लीवर, किडनी, आंतों आदि के नमूने फॉरेंसिक लैब भेजते हैं। जहां वैज्ञानिक जांच से मौत की वजह जानने की कोशिश करते हैं। पता करते हैं कि मृतक के शरीर में किसी जहरीले पदार्थ की मौजूदगी थी या नहीं।

केस–एक: वालीबॉल खिलाड़ी प्रत्यूष की मौत

फरवरी 2026 में कर्नलगंज स्थित अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के हॉस्टल में वॉलीबॉल खिलाड़ी प्रत्यूष राय संदिग्ध परिस्थितियों में हॉस्टल के कमरे में मृत मिले थे। पोस्टमार्टम के दौरान जहर की आशंका होने पर विसरा जांच के लिए भेजा गया। पुलिस को अब भी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है।

केस–दो: रेजिडेंट डॉक्टर की मौत का नहीं खुला राज

अप्रैल 2026 में स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर आदित्य की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। डॉक्टरों ने विसरा सुरक्षित किया लेकिन आज तक अंतिम निष्कर्ष के लिए फॉरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है।

केस–तीन: छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

फरवरी 2026 में टैगोर टाउन में 12वीं के छात्र आशुतोष प्रताप गिरि का शव कमरे में फंदे से लटका मिला था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मौत की वजह सामने न आने पर विसरा को फॉरेंसिक लैब भेजा था।

24 घंटे बत्ती गुल... छिना दिन का चैन, रात का सुकून

प्रयागराज। बिजली की अघोषित कटौती से शहर के लोग परेशान हैं। आती–जाती बिजली से लोग रात में सो नहीं पा रहे हैं। पूरी रात करवट बदलते बीत रही है। कालिंदीपुरम उपकेंद्र क्षेत्र में अंडरग्राउंड केबल में आग लगने से करीब 24 घंटे तक आपूर्ति ठप रही। बत्ती गुल होने से सबसे ज्यादा दिक्कत बच्चों और बुजुर्गों को हुई। सोमवार सुबह से शुरू हुई समस्या मंगलवार सुबह तक बनी रही। रात में कुछ केबलों को दुरुस्त कर लोगों को राहत दी गई लेकिन अधिक लोड होने के कारण डेढ़ से तीन घंटे के अंतराल पर बिजली आती–जाती रही। कालिंदीपुरम, द्वारका, बरसाना, राधाकुंज, मौसम विहार समेत कई कॉलोनियों के उपभोक्ता प्रभावित रहे। मंगलवार सुबह सात बजे से 10 बजे तक मरम्मत के लिए बिजली काटी गई। उपकेंद्र के जेई घनश्याम पटेल के अनुसार, क्षतिग्रस्त आठ केबलों में से चार को ही पहले चरण में चालू कर दिया गया। मंगलवार से आपूर्ति पूरी तरह से बहाल कर दी गई है।

सोमवार सुबह बिजली गुल हुई। रात में बिजली के आने–जाने का सिलसिला चलता रहा। इसलिए नींद तक पूरी नहीं हो पाई। – दिलीप गौड़, मंगल विहार

बिजली न आने से पानी की समस्या हो गई। इन्वर्टर जवाब दे गया और फोन तक चार्ज नहीं हुआ। मंगलवार सुबह आपूर्ति सामान्य हुई। – पंकज कुमार, ग्रीन वैली कॉलोनी

कल्याणी देवी उपकेंद्र से जुड़े मोहल्लों में सोमवार रात 12 बजे से बिजली की आवाजाही लगी रही। वहीं, मंगलवार सुबह करीब छह बजे से शाम चार बजे तक आपूर्ति बाधित रही।

बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उपकेंद्र के तीन ट्रांसफार्मर में से एक आपातकालीन मरम्मत (इमरजेंसी मेंटेनेंस) के कारण बंद था, जिससे आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई। चौधरी साहब कोठी क्षेत्र में सोमवार देर रात कूड़े के ढेर में आग लगने से एक अन्य ट्रांसफार्मर फुंक गया।

कसारी मसारी 60 फीट रोड स्थित वार्ड संख्या 71 ओम प्रकाश सभासद नगर में मंगलवार को खंभा लगाने के दौरान पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इस वजह से खंभा लगाने में देरी हुई और सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक बिजली आपूर्ति भी बाधित रही। वहीं करीब 200 घरों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो गई।

बिजली के साथ पानी संकट से दोहरा झटका लगा। पांच घंटे बिजली गुल रहने और पाइपलाइन टूटने से घरों के साथ दुकानों का कामकाज भी प्रभावित हुआ। – डॉ. राज बहादुर सिंह, स्थानीय निवासी

गर्मी में बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। बिजली मिली न पानी। विभाग की लापरवाही का खामियाजा पूरे मोहल्ले को भुगतना पड़ा। – मनीष श्रीवास्तव स्थानीय निवासी

लो वोल्टेज और ट्रिपिंग ने बढ़ाई परेशानी

दारागंज, अल्लापुर, अलोपीबाग, कटरा और सोबतियाबाग में लो वोल्टेज के साथ ट्रिपिंग और अघोषित बिजली कटौती ने परेशानी बढ़ा दी। गोविंदपुर, गद्दोपुर, छोटा बघाड़ा, सलोरी और तेलियरगंज में दिन में तीन से चार बार बिजली गुल हुई। यही हाल हिम्मतगंज, खुल्दाबाद और अयोध्यापुरी के साथ दायरा शाह अजमल, कोल्हान टोला, याकूबगंज का रहा। वहीं, झलवा, टीपी नगर, मुंडेरा और नीमसराय में बिजली की आवाजाही चलती रही। उपभोक्ताओं ने इसकी शिकायत भी की। सुलेमसराय के नेहरू पार्क इलाके में लो वोल्टेज की समस्या बनी रही।

दारागंज उपकेंद्र के इनकमर नंबर–एक की सीटी क्षतिग्रस्त होने के कारण बुधवार सुबह 10 से दोपहर 12रू30 बजे तक दारागंज, मोरी, अपर बांध, त्रिवेणी साउथ, जगदीश रैंप की आपूर्ति बाधित रहेगी।

मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखेंगे शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी, पुरानी नियमावली से भर्ती की करेंगे मांग

प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी–पीजीटी के 23,775 रिक्त पदों पर पुरानी नियमावली से विज्ञापन जारी कराने की मांग को लेकर युवा मंच का आंदोलन मंगलवार को भी जारी रहा। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी–पीजीटी के 23,775 रिक्त पदों पर पुरानी नियमावली से विज्ञापन जारी कराने की मांग को लेकर युवा मंच का आंदोलन मंगलवार को भी जारी रहा। छात्रों ने कहा कि अभी तक सरकार ने पुरानी नियमावली से विज्ञापन जारी करने का निर्णय नहीं लिया है। ऐसे में अभ्यर्थी मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखेंगे। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने शिक्षा निदेशालय के अपर शिक्षा निदेशक पर आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रों को गुमराह किया जा रहा है। 15 जून को दिए गए ज्ञापन को समय से शासन तक न भेजना लाखों युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है। अगर मांगों को अनसुना किया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। युवा मंच की संगीता पाल, एलके. चौधरी, सुशोभित चौरसिया, अखिलेश वर्मा एवं केडी वर्मा ने कहा कि सरकार को छात्रों की जायज मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। इस अवसर पर प्रभाकर सिंह परिहार, अशोक कुमार पटेल, कुमार कौशल, शीतला प्रसाद ओझा, रिंकी चौहान, रीता केशरवानी, ममता पटेल, अनी यादव, आरती सिंह, कपिल देव वर्मा मौजूद रहे।

हृदय रोग और गैस्ट्रोलॉजी विभाग में नहीं है आग से निपटने के इंतजाम

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में फायर फाइटिंग सिस्टम लगाने के लिए मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (एमएलएन) और यूपीसीडा के बीच हुआ मनमाना करार परेशानी का कारण बन गया है। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में फायर फाइटिंग सिस्टम लगाने के लिए मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (एमएलएन) और यूपीसीडा के बीच हुआ मनमाना करार परेशानी का कारण बन गया है। ऐसे में अभी भी अस्पताल के हृदय रोग और गैस्ट्रोलॉजी विभाग में हाइड्रेंट सिस्टम नहीं लग सका है। हृदय रोग और गैस्ट्रोलॉजी विभाग में हर समय 50 से अधिक मरीज व तीमारदार मौजूद रहते हैं। 2016 में यूपीसीडा ने एसआरएन अस्पताल कैंपस में करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से फायर फाइटिंग सिस्टम लगाने का करार किया था। इस दौरान सिर्फ पुरानी बिल्डिंग व सर्जिकल इमरजेंसी की इमारत में फायर सिस्टम लगा। इस दौरान ट्रॉमा, पीएमएसएसवाई, गैस्ट्रोलॉजी और हृदय रोग विभाग में हाइड्रेट सिस्टम नहीं लगाया गया। वहीं, कॉलेज प्रशासन के जोर देने पर ट्रॉमा सेंटर और पीएमएसएसवाई बिल्डिंग में सिस्टम लगा दिया गया। मगर संस्थान ने इस बजट में गैस्ट्रोलॉजी और हृदय रोग विभाग में हाइड्रेंट सिस्टम लगाने से मना कर दिया। ऐसे में इन दोनों विभागों में फायर सेफ्टी के लिए सिलिंडर रखे गए हैं। इसके अलावा अस्पताल के किसी भी वार्ड में धुएं की सुगबुगाहट होते ही अपने आप पानी छोड़ने वाले स्प्रिंकलर नहीं लगाए गए हैं। वहीं, पानी स्टोर के लिए अंडर ग्राउंड वाटर टैंक भी नहीं हैं। अग्निशमन विभाग ने अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर और पीएमएसएसवाई बिल्डिंग को एनओसी देने से मना कर दिया। उन्होंने ट्रॉमा में निकासी द्वार को लेकर आपत्ति दर्ज कराई। इसके अलावा पीएमएसएसवाई बिल्डिंग में खिड़कियां बाहर की तरफ खुलने की वजह से एनओसी नहीं दी। इसकी वजह से अभी तक यहां के फायर सिस्टम अभी तक कॉलेज प्रशासन को हैंडओवर नहीं हुआ है।

एक साल से बंद है शंकरघाट विद्युत शवदाह गृह

प्रयागराज। शंकरघाट स्थित विद्युत शवदाह गृह करीब एक वर्ष से बंद है। इससे दूर–दराज से आने वाले लोगों को शवों का दाह संस्कार करने में परेशानी होती है। यह बातें मंगलवार को नगर निगम की जनसुनवाई के दौरान शिवकुटी पार्षद कमलेश तिवारी ने कहीं।

उन्होंने बताया कि प्लेटें, रबर और पैकिंग खराब हो की वजह से शवदाह गृह ठप है। नगर निगम यहां दाह संस्कार के लिए 450 रुपये शुल्क लेता है। इसके बंद होने से लोगों को शवों के अंतिम संस्कार के लिए भटकना पड़ता है। इसकी शिकायत भी की गई लेकिन समाधान नहीं हुआ।

तीन दर्जन से अधिक शिकायतें आईं

जनसुनवाई के दौरान पेयजल आपूर्ति व नालों की साफ–सफाई का मुद्दा उठा। इस दौरान नगर आयुक्त सीलम साई तेजा ने प्रकाश की व्यवस्था, कूड़ा निस्तारण, सड़क की मरम्मत, इंटरलॉकिंग व नाला–नाली निर्माण सहित अन्य मुद्दों पर सुनवाई की। बैठक में अपर नगर आयुक्त अरविंद राय, शादाब असलम मौजूद रहे।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण, अजय राय बोले, मामले में लीपापोती का प्रयास कर रही एसआईटी

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। इस बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि सरकार किसी सिटिंग जज से पूरे मामले की जांच कराएगी, तभी असली सच्चाई सामने आएगी। गौरतलब है कि मंगलवार को एसआईटी के चेयरमैन और लखनऊ मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास पंत ने मंगलवार को अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी थी। एसआईटी रिपोर्ट को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में अजय राय ने कहा, एसआईटी जांच तो केवल पूरे मामले को भटकाने का प्रयास है। एसआईटी जांच में सच्चाई सामने नहीं आएगी। जब तक पूरे प्रकरण की जांच किसी सिटिंग जज की अध्यक्षता में नहीं होगी तब तक कुछ सामने नहीं आएगा। पूरे मामले पर लीपापोती करने का प्रयास हो रहा है। अजय राय ने राम मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितता मामले को लेकर केंद्र और संबंधित संगठनों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने जांच रिपोर्ट जल्द सार्वजनिक करने की मांग की और कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मामले में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट में एक सेवानिवृत्त नौकरशाह नृपेंद्र मिश्रा को चेयरमैन बनाया गया, जो पांच साल तीन महीने तक प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के प्रमुख सचिव थे। यानी इस संगठित लूट के जिम्मेदार प्रधानमंत्री मोदी भी हैं। पहले भाजपा और आरएसएस के लोगों ने श्रीरामजन्मभूमि में शिलापूजन के नाम पर खूब पैसे वसूले, जिसका कोई लेखा–जोखा नहीं है। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री योगी ने राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर 14 मई को एसआईटी का गठन किया था और 15 दिन में जांच पूरी करने का समय दिया था। टीम ने अयोध्या में छह दिनों तक राम मंदिर परिसर में जांच की। एसआईटी के चेयरमैन विजय विश्वास पंत ने कहा कि अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव को सौंप दी है। जो भी फाइंडिंग थी उसको शामिल किया गया है। अभी इसके बारे में इससे ज्यादा कुछ नहीं बताया जा सकता है। विशेष जांच दल में चेयरमैन लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत, आईजी लखनऊ रेंज किरण शिवकुमार और यूपी फाइनेंस एंड अकाउंट्स सर्विस के विशेष सचिव (वित्त) नीलरतन कुमार शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की रिपोर्ट करीब 150 पन्नों की है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ का विवरण शामिल है। टीम ने सिफारिश की है कि मंदिर की व्यवस्था के लिए किसी वरिष्ठ अधिकारी को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया जाए।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा एवं प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न

लखनऊ (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय में आज बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा एवं वायवा का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा बी.एड. की छात्राओं का साक्षात्कार किया गया। इसी के साथ महाविद्यालय परिसर में एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का भी आयोजन हुआ। लखनऊ के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान लखनऊ पब्लिक स्कूल, जिसकी अनेक शाखाएँ लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में संचालित हैं, की भर्ती टीम से देबजानी पकरासी तथा अपूर्व श्रीवास्तव ने प्रतिभाग किया। प्लेसमेंट प्रक्रिया के अंतर्गत बी.एड. अंतिम वर्ष की छात्राओं ने अपने बायोडाटा जमा किए एवं विद्यालय प्रतिनिधियों द्वारा उनका साक्षात्कार लिया गया। विद्यालय प्रबंधन ने योग्य अभ्यर्थियों को शीघ्र ही नियुक्ति पत्र जारी करने का आश्वासन दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने बताया कि हमारा उद्देश्य छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के साथ–साथ रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। लखनऊ पब्लिक स्कूल जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का कैंपस में आना छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय, बी.एड. विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राशिदा खघतून, प्रोफेसर सरिता कनौजिया,प्रोफेसर निशी गुप्ता एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। छात्राओं ने महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई इस सुविधा पर हर्ष व्यक्त किया।

सहाबाक्राम के एहसानों से पूरी दुनिया दबी है: मौलाना मो0 मुश्ताक

लखनऊ (संवाददाता)। रसूले पाक सल्ल0 की मुबारक तरबियत में इंसानों की जो जमाअत रही उसमें ऐसे बाकमाल लोग हुए जिनकी मिसाल तारीख नही पेश कर सकती। रसुले पाक सल्ल0 ने कुछ वर्षों में पूरे अरब के हालात बदल दिये। जहॉ तरह तरह की बुराइयॉ थीं वहॉ नेकियॉ नजर आने लगीं। जिनका शुमार बुरे लोगों में होता था वह आप सल्ल0 पर ईमान लाकर और आप सल्ल0 की तरबियत पाकर इतने नेक और पाक हो गए कि खुदा ने उनको अपनी रजा का परवाना दे दिया। इन शब्दो का इजहार ऑल इण्डिया सुन्नी बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना मो0 ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के तत्वाधान में होने वाले दस दिवसीय जलसाहाय "शुहादाये दीने हघ्क व इस्लाहे माआशरह" के अर्न्तगत दारूल उलूम फरंगी महल में आठवें जलसे को सम्बोधित कर रहे थे। मौलाना ने अपने संछिप्त सम्बोधन में सीरतुन्नबी सल्ल0 और सहाबाक्राम रजि0 के ईमान से भरे हुए हालात व वाकिआत सुनाये। उन्होने कहा कि सहाबाक्राम रजि0 ने अपने अखलाक से पूरी दुनिया में इस्लाम को प्रचार व प्रसार किया। इस लिए आज जहॉ भी इस्लाम मौजूद है वह उसी पाक जमाअत की कोशिशों का और उनकी कुर्बानियों का फल है। उन्होने कहा कि सहाबाक्राम के एहसानों से पूरी दुनिया दबी हुई है। इस लिए कि उनकी तरबियत स्वंय रसूल पाक सल्ल0 ने फरमाई थी। उन्होने ने कहा कि हमको चाहिए कि सीरते रसूल और सहाबाक्राम रजि0 के हालात का अधिक से अधिक अध्ययन करें ताकि हमारी दुनिया व आखिरत संवर सके।जलसे का आरम्भ दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल के अध्यापक कारी कमरूद्दीन की तिलावत कलाम पाक से हुआ और नात पाक का नजराना अयाज अहमद ने पेश किया। जलसे का संचालन कारी मो हारून निजामी ने किया और अन्त मौलाना मो0 मुश्ताक की दुआ पर हुआ।

लखनऊ अग्निकांड में निलंबित अफसर का आया सनसनीखेज बयान

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ अग्निकांड की जांच के बीच निलंबित फायर विभाग के अधिकारी कमलेंद्र कुमार यानि केके सिंह ने ऐसा बयान दिया जिसे लेकर वबाल मच गया है। अलीगंज अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर चार अधिकारियों को प्रारंभिक रूप से दोषी मानते हुए निलंबित किया गया था, उनमें फायर विभाग के एफएसएसओ केके सिंह भी शामिल हैं। निलंबन के दो दिन बाद केके सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें आरोप लगाया कि भीषण अग्निकांड की घटना में उन्हें बली का बकरा बनाया गया है।असल में जो अधिकारी फायर सेफ्टी के लिए जिम्मेदार हैं, जिनके पास प्रशासनिक आदेश देने के आधिकार हैं , उनको बचाने के लिए छोटे अफसरों के निलंबित कर दिया गया है। केके सिंह ने कहा कि उनके उपर की गई कार्रवाई अन्यायपूर्ण है। खुद को निर्दोष बताते हुए केके सिंह ने कहा कि उनका काम केवल स्थानीय निरीक्षण और उसकी रिपोर्टिंग तक सीमित है।उनके पास फायर क्लीयरेंस देने या बड़े पैमाने पर सुरक्षा मानकों को लागू करने का अधिकार नहीं है। मामले ने तब यू–टर्न ले लिया जब थोड़ी ही देर में एफएसएसओ केके सिंह का एक और बयान सोशल मीडिया एक्स पर आया।इस वीडियो में यूटर्न लेते हुए केके सिंह कह रहे हैं कि ये वीडियो उन्हे दिग्भ्रमित करके बनवाया गया। वो अग्निकांड में मारे गये लोगों को लेकर आहत हैं।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में 'कागभुसुंडि' गायब होने पर अखिलेश बोले, एफआईआर बिना एसआईटी बिना तीर की कमान

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे और दान से जुड़े कथित अनियमितताओं के विवाद के बीच समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अब 'कागभुसुंडि' के

गायब होने का मामला उठाते हुए राज्य सरकार और जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि बिना एफआईआर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) 'बिना तीर की कमान' के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि राममंदिर में चढ़ावे, चंदे और दान से जुड़ी कथित गड़बड़ियों के नए–नए खुलासे सामने आ रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं में आक्रोश बढ़ रहा है। सपा प्रमुख ने एसआईटी की मंशा और प्रभावशीलता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह जांच से ज्यादा मामले को ढंकने का प्रयास प्रतीत होती है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बार फिर राम मंदिर चढ़ावा को लेकर लिखा कि एफआईआर के बिना एसआईटी बिना तीर की कमान है। उन्होंने आगे लिखा कि अब दान में दिये गये 'कागभुसुंडि' के गायब हो जाने की निंदनीय खघ्बर आई है। उन्होंने कहा कि जिस तरह हर दिन 'चढ़ावा–चंदा–दान' चोरी का नया भंडाफोड़ हो रहा है और सनातनी आस्थावानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है, उसे देखकर नेपाल और बाकी बार्डर बंद कर देने चाहिए, जिससे आरोपी फरार न हो सकें। अखिलेश यादव ने लिखा कि जब अभी खुलासे हो ही रहे हैं तो एसआईटी की जाँच क्या हासिल कर लेगी और खघसतौर से तब जब ये 'जांच' से ज्यादा 'ढांक' के लिए बनी है या फिर 'बांट' के लिए। उल्लेखनीय है कि राम मंदिर चढ़ावा और दान राशि में कथित अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ जोन की पुलिस महानिरीक्षक किरन एस और विशेष सचिव वित्त नीलरतन को शामिल किया गया था। जांच दल ने बीते दिनों अयोध्या में विभिन्न पक्षों से पूछताछ करने के साथ ही संबंधित दस्तावेजों और वित्तीय अभिलेखों की भी गहन पड़ताल की। जांच पूरी करने के बाद एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि जांच प्रक्रिया अभी जारी है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी तथ्यों की पड़ताल तथा संबंधित लोगों से पूछताछ की जाएगी। मामले में अंतिम निर्णय जांच के सभी पहलुओं के परीक्षण के बाद लिया जाएगा।

लखनऊ अग्निकांड: ब्रजेश पाठक ने जन्मदिन न मनाने का किया ऐलान , बोले जब घरों के चिराग बुझ गए हों तो उत्सव कैसा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड में कई मासूम छात्रों की मौत से पूरे प्रदेश में शोक का माहौल है। इस दर्दनाक हादसे के बीच उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संवेदनशील पहल करते हुए 25 जून को अपना जन्मदिन नहीं मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि जब अनेक परिवार अपने बच्चों को खोने के असहनीय दुःख से गुजर रहे हों और कई घरों के चिराग बुझ गए हों, तब व्यक्तिगत उत्सव मनाना उचित नहीं है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपना जन्मदिन दिवंगत बच्चों की स्मृति और शोकाकुल परिवारों के प्रति श्रद्धांजलि व संवेदना को समर्पित करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड ने मन को भीतर तक उद्वेलित और व्यथित कर दिया है। इस दुःखद घटना में अनेक मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु ने पूरे प्रदेश को शोक और पीड़ा से भर दिया है। उन्होंने लिखा कि जब कई परिवारों के घरों के चिराग बुझ गए हों, तब अपने

जन्मदिन का उत्सव मनाना उचित प्रतीत नहीं होता। इसी गहन संवेदना और शोक के भाव के साथ मैंने निर्णय लिया है कि कल, 25 जून को, मैं अपना जन्मदिन नहीं मनाऊँगा। यह दिन उन दिवंगत मासूम बच्चों की पावन स्मृति तथा उनके शोकाकुल परिजनों के प्रति श्रद्धांजलि और संवेदना को समर्पित रहेगा। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लिखा कि प्रभु श्रीहरि से प्रार्थना है कि वे इस अत्यंत हृदयविदारक, पीड़ादायक एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटना में दिवंगत सभी बच्चों को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें, शोक संतप्त परिवारों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति दें तथा घायलों को शीघ्र पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। गौरतलब है कि लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में स्थित एक बहुमंजिला इमारत में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया। हादसे में 15 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच अन्य बच्चे घायल हो गए, जिनका विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इमारत के भूतल पर पेट शॉप संचालित थी, जबकि ऊपरी मंजिल पर गेमिंग जोन चल रहा था। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही अस्पताल पहुंचकर घायलों और उनके परिजनों से भी बातचीत की है। जांच एजेंसियां सुरक्षा मानकों, भवन की वैधता और संभावित लापरवाही समेत सभी पहलुओं की गहनता से पड़ताल कर रही हैं।

'सेवा से समृद्धि' क्षेत्रीय कार्यशाला में यूपी के दो सीएससी–वीएलई सम्मानित

लखनऊ की डॉ. रंजना सिंह एवं सोनभद्र के संतोष कुमार को मिला उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मान

लखनऊ (संवाददाता)। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत–आधारित डिजिटल सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाने तथा अंतिम छोर तक नागरिक सेवाओं की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंचायती राज मंत्रालय एवं कॉमन सर्विस सेंटर स्पेशल पर्पस व्हीकल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में श्रीनगर जम्मू–कश्मीर में "सेवा से समृद्धि पंचायत–आधारित सेवा वितरण " विषय पर क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जम्मू–कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने किया। इस अवसर पर जम्मू–कश्मीर के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री जावेद अहमद डार, पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज, सीएससी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीण चंदेकर, संयुक्त सचिव पलका साहनी तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, जम्मू–कश्मीर के सचिव मोहम्मद एजाज असद सहित राज्यों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि एवं कॉमनसर्विस सेंटर के विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर उपस्थित रहे।कार्यशाला में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, उत्तराखण्ड एवं यूपी सहित सात राज्यों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए पंचायत आधारित सेवा वितरण के नवाचारों, डिजिटल गवर्नेंस, नागरिक सहभागिता तथा सुशासन के प्रभावी मॉडलों पर विचार–विमर्श किया। तकनीकी सत्रों, पैनल चर्चाओं एवं अनुभव–साझाकरण के माध्यम से राज्यों की सफल कार्यप्रणालियों का आदान–प्रदान किया गया ग्राम पंचायत स्तर पर उत्कृष्ट डिजिटल सेवा प्रदान करने वाले कॉमन सर्विस सेंटरों एवं विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश से लखनऊ की डॉ. रंजना सिंह एवं जनपद सोनभद्र के संतोष कुमार को उनके उत्कृष्ट कार्यों एवं जनसेवा के लिए सम्मानित किया गया।

फूल बन प्यारा गेंदा

(कुण्डलिया)

कवियों की वाणी बने, कृषको की मुस्कान।
कहते हैं 'गेंदाश उसे, रखे सभी का ध्यान।
रखे सभी का ध्यान,गुणों का सागर बनके।
पीला लाल सफेद, पंखुड़ी मे रस भरके।
सुन लो कहें प्रदीप,प्रीति बनकर सखियों की।
खिलता है यह फूल,शब्द रचकर कवियों की।।

गेंदा प्यारा फूल है, मात्र नहीं संयोग।
खुशबू से अपने सदा, सबको रखे निरोग।
सबको रखे निरोग, रूप औषधि का धरकर।
जाता सबके पास, खुशी आँचल में भरकर।
सुन लो कहें प्रदीप, लगा चौतरफा मेला।
करे धर्म की बात, फूल बन प्यारा गेंदा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सुबह से बादलों की आवाजाही, उमसभरी गर्मी से लोग बेहाल

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बुधवार सुबह से हल्के बादलों की आवाजाही बनी रही, लेकिन इससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल सकी। हवा में नमी बढ़ने से उमस का असर ज्यादा महसूस किया गया। सुबह के समय तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि महसूस होने वाला तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान 39 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा और फिलहाल बारिश के आसार बेहद कम हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 21/2026 — दिनांक: 22.06.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्रमांक	निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	ई.म.डी (₹)	निविदा खुलने की तिथि
1	19236634B	फिल्टर ऊँचिट संलग्न विनिर्देशों के अनुसार।	7466 नग	₹ 1,39,770/-	22.07.2026

नोट-1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1428/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No. CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2025 — दिनांक: 23.06.2026

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित ई-नीलामी बोलियां आमंत्रित की गयी है।

प्रयागराज मण्डल द्वारा आमंत्रित ई-नीलामी

क्रम	वाणिज्य विज्ञापन का विवरण	ई-आक्शन कैटलॉग संख्या	ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय
1.	प्रयागराज डिवीजन के तहत फतेहपुर रेलवे स्टेशन पर PF-01 (उत्तर साइड) पर पांच साल की अवधि के लिए एक फूड वैन (ग्राहकों को 24x7 सेवा देने वाली) बनाना, चलाना और उसका रखरखाव करना।	NFR-MSS-FV-MS	26.06.2026 at 11:00 hrs
2.	5 साल की अवधि के लिए मानिकपुर, फतेहपुर, मिर्जापुर,विंध्याचल और इटावा रेलवे स्टेशनों पर मोबाइल और एक्सेसरीज़ कियोस्क और अन्य उपयोगी सामान बेचने वाले कियोस्क (हर जगह 1-1 कियोस्क) लगाने,चलाने और उनके प्रबंधन के लिए ई-नीलामी।		
3.	प्रयागराज-छिवकी स्टेशन पर 'आउट ऑफ होम' (OOH) पॉलिसी के तहत होर्डिंग/यूनिपोल (5000 वर्ग फुट) और स्टैंड-अलोन (450 वर्ग फुट) के माध्यम से कमर्शियल पब्लिसिटी/विज्ञापन के अधिकार। कमर्शियल पब्लिसिटी/विज्ञापन के लिए कुल उपलब्ध जगह 5450 वर्ग फुट है (संलग्न स्थानों के अनुसार)।	ADVT-PCOI-OH-26	26.06.2026 at 12:00 hrs
4.	संलग्न संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र के अनुसार, मानिकपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे की ज़मीन पर पांच (5) साल की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन लगाने, चलाने और उसके रखरखाव के लिए ई-नीलामी।		
5.	संलग्न संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र के अनुसार, नैनी रेलवे स्टेशन (जेल रोड, प्रयागराज की ओर) पर रेलवे की ज़मीन पर पांच (5) साल की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन लगाने, चलाने और उसके रखरखाव के लिए ई-नीलामी।	MSS-EV-STN-2026	29.06.2026 at 12:00 hrs
6.	संलग्न संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र के अनुसार, प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन (RTO ऑफिस के पास) पर रेलवे की ज़मीन पर पांच (5) साल की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन लगाने, चलाने और उसके रखरखाव के लिए ई-नीलामी।		
7.	संलग्न साइट प्लान के अनुसार, प्रयागराज डिवीजन में अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर गेमिंग ज़ोन और फन पार्क की सुविधाएँ स्थापित करने, चलाने और उनके रखरखाव के लिए अनुबंध (5 साल की अवधि के लिए)।	MSS-GZ-EVC-ALJN	02.07.2026 at 10:00 hrs
8.	संलग्न संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र के अनुसार, अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर पांच (5) साल की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन लगाने, चलाने और उसके रखरखाव के लिए ई-नीलामी।		
9.	'आउट ऑफ होम' पॉलिसी के तहत विभिन्न तरीकों से (एनेक्सर-1 के अनुसार) 7 ROB पर विज्ञापन के माध्यम से कमर्शियल पब्लिसिटी के लिए ई-नीलामी।	ADVT-07ROB-PRYJ	03.07.2026 at 10:00 hrs
10.	टूंडला रेलवे स्टेशन पर 'आउट ऑफ होम पॉलिसी' के तहत यूनिपोल/ होर्डिंग मीडिया के ज़रिए कमर्शियल पब्लिसिटी/ विज्ञापन के अधिकार (03 साल की अवधि के लिए)।		
11.	इटावा रेलवे स्टेशन पर 'आउट ऑफ होम पॉलिसी' के तहत LED स्क्रीन के ज़रिए कमर्शियल पब्लिसिटी/विज्ञापन के अधिकार।	ETW-TDL-PCOI-OH	07.07.2026 at 12:00 hrs
12.	प्रयागराज छिवकी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 'आउट ऑफ होम पॉलिसी' के तहत वीडियो वॉल (20 फीट x 10 फीट) के ज़रिए कमर्शियल पब्लिसिटी/विज्ञापन के अधिकार।		
13.	प्रयागराज डिवीजन के टूंडला स्टेशन पर 06 रिटायरिंग रूम, 01 डॉरमिटरी और 02 AC वेटिंग रूम-सह-लाउंज (एनेक्सर-1) को सेटअप करने, चलाने और उनके रखरखाव के लिए 5 साल की अवधि के लिए ई-नीलामी।	WRL-TDL-RRACWR	08.07.2026 at 10:30 hrs
14.	CNB एरिया के स्टेशनों (संलग्न लोकेशन के अनुसार) पर 'आउट ऑफ होम' पॉलिसी के तहत होर्डिंग/यूनिपोल के माध्यम से कमर्शियल पब्लिसिटी/विज्ञापन का अधिकार।	ADVT-CNBArea-OH	08.07.2026 at 11:00 hrs
15.	प्रयागराज डिवीजन के तहत फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन पर 25 ft x 30 ft के एरिया में फूड वैन (ग्राहकों को 24x7 सर्विस देने वाली) को शुरू करने, चलाने और उसके रखरखाव के लिए पांच साल की अवधि के लिए व्यवस्था।	MSS-FV-FZD-26	08.07.2026 at 12:00 hrs
16.	संलग्न साइट प्लान के अनुसार, 5 साल की अवधि के लिए कानपुर अनवरगंज, हरदुआगंज, मैनपुरी, शिकोहाबाद और हाथरस किला गुड्स शेड में आवंटित एरिया में गुड्स कैंटीन को सेटअप करने, चलाने और उसके रखरखाव के लिए ई-नीलामी।	MSS-GC-05STN-26	09.07.2026 at 11:00 hrs
	पे & यूज़ शौचालय)		
1.	गोविन्दपुरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 2 एवं 3 पर स्थित पे एंड यूज़ शौचालय ब्लॉकों के संचालन एवं अनुरक्षण हेतु 03 वर्ष की अवधि का अनुबंध।	PnU-GOY-Toi-26	07.07.2026 at 11:00 hrs

नोट- इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 1434/26 (ADM)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

भयावह जलवायु संकट

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप–30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक–2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य शृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध–अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है। दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप–30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक–2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि भारत सरकार ने जलवायु संकट से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के समक्ष अपनी प्रतिबद्धता बार–बार जतायी है। इस संकट से उबरने के लिये नवीकरणीय ऊर्जा के विकल्प को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने का प्रयास भी किया है। देश में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में नवीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। देश वनों का दायरा को भी बढ़ाने की जरूरत है। विकास देश की प्राथमिकता है, लेकिन यह विकास वनों के विनाश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। साथ ही इस दिशा में जो भी कदम उठाये जाएं उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर कितना हो रहा है, इस बात का लगातार मूल्यांकन भी जरूरी है। साथ ही रीति–नीतियों को प्रभावी तरीकों से अमलीजामा पहनाने की जरूरत होगी। जिसके लिये लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाइयों ग्राम पंचायत से लेकर शहरी निकायों को भी शामिल करने की जरूरत होगी। दरअसल, जलवायु परिवर्तन से उपजा संकट केवल भारत की ही चुनौती नहीं है। यह एक वैश्विक संकट है। जो इस बात से पता चलता है कि पिछले तीन दशकों में नौ हजार से अधिक मौसमी आपदाओं ने पूरी दुनिया में आठ लाख से अधिक लोगों को असमय काल का ग्रास बनाया है। लेकिन इस संकट की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इसकी सबसे बड़ी कीमत वे विकासशील व गरीब देश चुका रहे हैं, जिनकी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम भूमिका रही है। दुर्भाग्य से विकासशील देश जहां इन संकटों की दृष्टि से जहां ज्यादा संवेनशील हैं, वहीं इससे मुकाबले के लिये उनके संसाधन सीमित हैं। उनके प्रतिरोध की क्षमता सीमित है। जिन्हें तत्काल व्यापक वित्तीय सहायता की जरूरत है। ऐसे में विकसित देशों का नैतिक दायित्व बनता है कि उनका सहयोग सिर्फ विकासशील देशों को वित्तीय व तकनीकी सहयोग तक सीमित न रहे। साथ ही वे अपने कार्बन उत्सर्जन में भी कमी लाएं।

शिक्षा पर जागरुक हुआ समाज

21 जून को नीट का पेपर दोबारा हो गया और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी इस बात का श्रेय ले सकती है कि इस बार पेपर लीक नहीं हुए। मोदी सरकार यह दावा कर सकती है कि धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लिए बिना उसने फिर से पेपर करवाए और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा जैसा अहम मुद्दा बनाते हुए वायुसेना को प्रश्नपत्र पहुंचाने के काम में लगाया गया। शायद ही दुनिया के किसी और देश ने ऐसा दृश्य देखा हो, जो भारत में देखा गया कि वायुसेना के जहाजों में परीक्षा प्रश्नपत्र आए और पुलिस वाले कड़ी सुरक्षा में उन्हें केंद्रों तक ले गए। इसे जो लोग मोदी सरकार के प्रशासन की सख्ती और कड़े फैसले लेने की क्षमता समझ रहे हैं, वे एक बार यह भी सोचें कि पेपर लीक करवाने वाला माफिया कितना ताकतवर है, जिससे निपटने के लिए वायुसेना को मैदान में उतारना पड़ा। इस बात पर भी विचार कर लेना चाहिए कि आखिर ऐसे आपराधिक तत्वों की ताकत किस तरह इतनी बढ़ गई। क्या सरकार और तमाम जांच एजेंसियों का इतना भी इकबाल बाकी नहीं रहा है कि वे सड़क मार्ग से प्रश्नपत्र ले जा सकें या फिर अब यह पेपर लीक माफिया को चुनौती है कि हिम्मत है तो हवा में पेपर चुरा कर दिखाओ। खैर नीट का पेपर दोबारा हो गया और इसमें जो बच्चे बैठ पाए अब उनका भविष्य क्या होगा, यह परिणाम आने पर पता चलेगा। लेकिन 3 मई को परीक्षा में जितने बच्चे बैठे थे, उनमें से कई बच्चे इस बार परीक्षा नहीं दे पाए। रविवार को कई ऐसी तस्वीरें और वीडियो सामने आए, जहां जरा सी देर होने पर बच्चों को परीक्षा केंद्र के भीतर नहीं जाने दिया गया।कर्नाटक में कुछ छात्राएं रोती और मिन्नतें करती दिखीं कि उन्हें परीक्षा केंद्र के भीतर जाने दिया जाए, क्योंकि वे खराब यातायात व्यवस्था के कारण उन्हें देर हो गई। तो वहीं मध्यप्रदेश से एक हृदयविदारक दृश्य सामने आया, जिसमें अपनी बेटी को परीक्षा केंद्र के भीतर न जाते देख एक पिता इतना विचलित हो गए कि उन्होंने अपना सिर ही लोहे के गेट पर मार दिया और फिर तड़पते हुए सड़क पर गिर गए। एक तरफ अपने पिता की ऐसी हालत और दूसरी तरफ परीक्षा न दे पाने की तकलीफ में वो बच्ची इस तरह रोई कि किसी का भी दिल पिघल जाए। लेकिन शायद भाजपा सरकार में, नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, धर्मेन्द्र प्रधान और राजनाथ सिंह के पास संवेदनशील हृदय है ही नहीं। वर्ना बच्चों की तकलीफ देखकर सांत्वना के दो बोल तो ये लोग कह ही सकते थे। लेकिन भाजपा को राजनैतिक लाभ की भाषा ही समझ आती है। इसलिए जब प्रधानमंत्री मोदी रविवार दोपहर कोलकाता से लौटकर दिल्ली पहुंचे और फिर एयरपोर्ट पर पौन घंटे रुके रहे ताकि नीट के परीक्षार्थी अपने केंद्रों तक पहुंच जाएं और यातायात प्रभावित न हो, तो इस खबर को भाजपा प्रचार तंत्र ने खूब प्रसारित करवाया। इसका मकसद यही दिखाना था कि मोदीजी को बच्चों की कितनी फिक्र है। लेकिन इस तंत्र ने कभी यह सवाल नहीं किया कि इतनी ही फिक्र थी तो बार–बार पेपर लीक की घटनाएं क्यों हुईं। मध्यप्रदेश में जो बच्चे परीक्षा नहीं दे पाए, उस पर भाजपा मौन है, लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि उसने यातायात व्यवस्था दुरुस्त नहीं करवाई। आरोप–प्रत्यारोप की ये खोखली राजनीति देश के भविष्य के साथ कितना गंभीर खिलवाड़ कर चुकी है, ये भाजपा तो नहीं समझेगी, लेकिन लोगों को समझना होगा। जिन बच्चों को देरी की वजह से नीट देने से वंचित रह जाना पड़ा, उनके पास अगले साल फिर इसे देने का मौका होगा या उनके पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं, जिसमें वे भविष्य संवार सकते हैं। लेकिन जिन बच्चों ने दोबारा परीक्षा देने के तनाव से या पेपर लीक होने के अवसाद में अपनी जान दे दी, उनके साथ इंसाफ किस तरह होगा, यह एक बड़ा सवाल है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कम से कम 19 बच्चे अपनी जान ले चुके हैं और यह संख्या यहीं रुक जाए ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। बच्चों को लेकर यह डर इसलिए बन रहा है, क्योंकि शनिवार तक 17 बच्चों की आत्महत्या की खबर थी, लेकिन रविवार को इसमें दो का इजाफा हो गया। हमारी शिक्षा व्यवस्था ही इतनी त्रुटिपूर्ण और संवेदनहीन हैं कि बच्चों में प्राथमिक शिक्षा के स्तर से ही कुंठा भरनी शुरु हो जाती है। हर महीने लिए जाने वाले क्लास टेस्ट से लेकर छमाही और वार्षिक इम्तिहानों तक बच्चों पर दबाव बनाया जाता है कि अच्छे अंक लाना और प्रथम आना ही कामयाबी का एकमात्र रास्ता है, उसके अलावा जीवन में कुछ और बचा ही नहीं है। इस भावना के साथ पढ़ाई करने वाले बच्चों का मन हताशा की तरफ बढ़ने लगता है और यही हताशा बोर्ड परीक्षाओं या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने पर जीवन खत्म करने के विकल्प की तरफ धकेल देती है। आजादी के इतने सालों में शिक्षा व्यवस्था को लेकर कई किस्म के प्रयोग हुए, कई पद्धतियां अपनाई गईं, लेकिन राजनेताओं ने शिक्षा और परीक्षा की खामियों पर कभी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा करना जरूरी नहीं समझा। अब राहुल गांधी ने कोटा से इसकी शुरुआत की है। उनके भाषण में इसी बात पर जोर दिया गया कि हम बच्चों में रिजेक्शन यानी खारिज होने का डर भर देते हैं, जो गलत है। इधर कॉकरोच जनता पार्टी ने भी अब शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने के लिए जंतर–मंतर पर फिर धरना शुरु किया है। इस बार पुलिस की तय की गई समयसीमा को मानने से प्रदर्शनकारियों ने इंकार कर दिया और शनिवार से लेकर सोमवार को इन पंक्तियों के लिखे जाने तक धरना जारी ही है। धरनास्थल पर खाने–पीने की व्यवस्था करने के लिए मोहम्मद जुनैद नाम के एक शख्स लगातार कर रहे हैं, सोमवार को उनके पैर छूकर अभिजित दिपके ने उन्हें शुक्रिया कहा। इस मौके पर हिंदू–मुस्लिम– सिख–ईसाई आपस में हैं भाई–भाई के नारे लगे और साथ ही वंदे मातरम, इंकलाब जिंदाबाद, जय हिंद, जय लोकतंत्र की हुंकार भी भरी गई। गौरतलब है कि शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए शुरु किया गया आंदोलन सांप्रदायिक सौहार्द्र भी बढ़ा रहा है। वहीं दिपके ने इस आंदोलन से किसानों को भी जुड़ने की अपील की थी। अब भारतीय किसान यूनियन के चढ़ूनी समूह ने ऐलान किया है कि युवाओं के भविष्य और उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए भाकियू कॉकरोच जनता पार्टी का समर्थन करेगा। मोदी सरकार और भाजपा की रणनीति के विपरीत विपक्ष और आम जनता का बड़ा वर्ग शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए साथ आ रहा है, इसे एक सकारात्मक बदलाव की तरह देखा जाना चाहिए।

अमेरिका–ईरान शांति समझौते पर मंडराता इजरायली खतरा!

असद मिर्जा

वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक नाजुक कूटनीतिक सफलता सीधे लेबनान में इजरायल की सैन्य आक्रामकता से टकरा गई है, और उस शांति समझौते पर गहरी छाया डाल दी है जो एक पीढ़ी में मध्य–पूर्व का सबसे निर्णायक कूटनीतिक मील का पत्थर बन सकता था। आधुनिक मध्य–पूर्व की कूटनीति के दायरे में शांति हमेशा सबसे नश्वर वस्तु रही है। यह कड़वा सच एक बार फिर पूरी तीव्रता के साथ सामने आया जब शुक्रवार, 19 जून 2026 को अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड के शांत पर्वतीय रिसॉर्ट बुर्गनस्टॉक में निर्धारित कार्यान्वयन वार्ता शुरू होने से पहले ही बिखर गई। समझौते की संरचना– यह समझने के लिए कि दुनिया एक ऐतिहासिक सफलता के कितने करीब थी, यह जानना आवश्यक है कि अमेरिका–ईरान समझौता वास्तव में क्या हासिल करना चाहता था। इस समझौते पर हस्ताक्षर ईरान में युद्ध समाप्त करने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम सहित व्यापक मुद्दों पर साठ दिवसीय वार्ता शुरू करने के लिए था। साथ ही, यह समझौता लेबनान में लड़ाई को भी रोकने का इरादा रखता था। यह किसी भी पैमाने पर एक उल्लेखनीय कूटनीतिक उपलब्धि थी। इजरायल का पत्ता– इस नाजुक कूटनीतिक क्षण में इजरायल न हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, न मध्यस्थ के रूप में, बल्कि एक सक्रिय विध्वंसक के रूप में मैदान में उतरा। इजरायली सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर रात भर हमले किए और लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार कम से कम अठारह लोग मारे गए, जबकि पूरे क्षेत्र में शत्रुता रोकने के लिए बनाया गया अमेरिका–ईरान ढांचा अभी लागू था। इजरायली राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटामार बेन ग्विर ने घोषणा की कि पूरा लेबनान जलकर राख हो जाना चाहिए। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सीधे जवाब देते हुए इजरायल पर स्थायी युद्ध चाहने का आरोप लगाया और बेन ग्विर के बयानों को किसी आम दीवाने की बड़बड़ाहट नहीं बल्कि एक बैठे हुए राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री की सार्वजनिक पोस्ट बताया, और कहा कि ईरान इजरायली हमलों की निंदा करता है तथा अमेरिका को उनके परिणामों के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराता है। लेबनान पर दरार– लेबनान को लेकर विवाद पूरे कूटनीतिक ढांचे के नीचे बहने वाली वह दरार रही है जिसने अंततरू सब कुछ हिला दिया। हालांकि पाकिस्तान, जिसने युद्धविराम में मध्यस्थता की, ने स्पष्ट रूप से कहा कि लेबनान युद्धविराम में शामिल है, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका इस बात से सहमत नहीं है कि इजरायल उस देश पर हमले बंद कर देगा। इस बुनियादी अस्पष्टता नेकृ कि लेबनान समझौते की परिधि के भीतर है या बाहरकृ इजरायल को वह ऑपरेटिंग स्पेस दिया कि वह अपना अभियान तब भी जारी रखे जब वाशिंगटन और तेहरान के बीच समझौते की स्याही मुश्किल से सूखी थी। वाशिंगटन दो पाटों के बीच– इस प्रकरण को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाने वाली बात यह है कि अक्टूबर 7 के बाद के युग में शायद पहली बार, वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने इजरायली कार्रवाइयों की सार्वजनिक और कड़ी आलोचना उन शब्दों में की जो एक साल पहले अकल्पनीय होती। वेंस ने ईरान समझौते पर इजरायल के फ्रीकआउट की निंदा की। व्हाइट हाउस, जिसने ईरान समझौते में जबरदस्त राजनीतिक पूंजी लगाई है, इस बात से स्पष्ट रूप से निराश है कि उसका सबसे करीबी क्षेत्रीय सहयोगी सक्रिय रूप से उस कूटनीतिक ढांचे को कमजोर कर रहा है जो वाशिंगटन ने बनाया था। ट्रंप–नेतन्याहू संबंध का लेन–देन वाला स्वरूप, जिसे लंबे समय से एक अटूट गठबंधन के रूप में प्रस्तुत किया गया था, अपनी हकीकत दिखा रहा है। फिर भी, प्रशासन की अपनी स्थिति में एक संरचनात्मक विरोधाभास है। लेबनान को युद्धविराम के ढांचे के भीतर स्पष्ट रूप से शामिल करने से इनकार करके, वाशिंगटन ने इजरायल को वह कानूनी अस्पष्टता प्रदान की जिसकी उसे हमले जारी रखने के लिए जरूरत थी। उस अस्पष्टता का परिणाम अब एक स्थगित शांति प्रक्रिया और दक्षिणी लेबनान में हिंसा के नए दौर के रूप में सामने है, जहां इजरायली हवाई हमलों और तोपखाने से मृतकों की संख्या शुक्रवार तक 47 हो गई है, जबकि लड़ाकू विमानों और तोपखाने ने नबातिया शहर और आसपास के कस्बों को निशाना बनाया है । आगे की राह–लेबनान का सवाल महज मानवीय चिंता का विषय नहीं है। यह किसी भी टिकाऊ अमेरिका–ईरान शांति के केंद्र में बैठा है। हिजबुल्लाह ईरान का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय प्रतिनिधि है, और तेहरान की यह क्षमता कि वह दावा कर सके कि शांति समझौते में लेबनान में इजरायली अभियानों का अंत भी शामिल है।

, किसी भी ऐसे समझौते की राजनीतिक वैधता के लिए केंद्रीय महत्व रखती है जिसे ईरानी नेतृत्व अपने घरेलू दर्शकों को बेच सके। नेतन्याहू ने कसम खाई है कि आईडीएफ लेबनान के बफर जोन में श्जब तक आवश्यक होश रहेगी, एक ऐसी स्थिति जो सीधे उस बात का खंडन करती है जो ईरान समझता है कि समझौते की आवश्यकता है। वाशिंगटन और तेहरान के बीच द्विपक्षीय समझौता तब नहीं टिक सकता जब वह जमीन पर क्षेत्रीय अभिनेताओं को नियंत्रित करने में विफल रहे। लेबनान में एक विस्तृत, एकतरफा अभियान चलाने का चुनाव करके, इजरायल ने सफलतापूर्वक शांति प्रक्रिया को पंगु बना दिया है। जब तक संयुक्त राज्य अमेरिका इजरायली अभियानों को रोकने के लिए निर्णायक दबाव नहीं बना सकता, इस्लामाबाद में हासिल की गई ऐतिहासिक सफलता तेजी से विघटित हो जाएगी, और क्षेत्रीय संघर्ष के और भी अधिक अस्थिर चरण का रास्ता खुल जाएगा। हालांकि ये वार्ताएं एक बार फिर शुरू हो गई हैं, फिर भी इन्होंने मध्य–पूर्व में किसी भी शांति समझौते को तोड़फोड़ करने की इजरायल की उपद्रवी और गंभीर खतरनाक प्रवृत्ति को केंद्र में ला दिया है। जब तक अमेरिका इजरायल पर लगाम कसने में सक्षम नहीं होता, मध्य–पूर्व में कोई स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती। हालांकि इजरायल के प्रति अमेरिकी खीझ के संकेत उभरने लगे हैंकृ ट्रंप का यह कहना कि इजरायल को अब अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिकी छत्रछाया नहीं मिलेगीकृ फिर भी इन्हें वास्तविकता में बदलने के लिए पश्चिमी शक्तियों, विशेष रूप से अमेरिका से कहीं अधिक ठोस कदमों की आवश्यकता है।

(लेखक अंतरराष्ट्रीय, रक्षा और रणनीतिक मामलों के नई दिल्ली स्थित वरिष्ठ समीक्षक हैं।)

युद्ध विराम से आगेः क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

ललित गर्ग

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल–पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके। इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी। इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है। दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है–क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी–सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह–अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा। इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी–20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार–बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है? भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस–यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल–फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट–भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए–परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए।

दांव पर लगा भरोसा और टूटते `एलायंस', प्राइम वीडियो ने रिलीज किया धमाकेदार ट्रेलर

प्राइम वीडियो ने अपने नए अनस्क्रिप्टेड रियलिटी शो 'एलायंस' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जो भरोसे, रणनीति और सर्वाइवल पर आधारित एक हाई–स्टेक्स गेम दिखाता है। यह शो मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की कई चर्चित हस्तियों को जोड़ियों में एक साथ लाता है, जहां हर कदम पर रिश्तों की परीक्षा होगी। शो को कुणाल खेमू होस्ट कर रहे हैं 'एलायंस' एक बड़े पैमाने पर तैयार किया गया अनस्क्रिप्टेड शो है, जो 6 हफ्तों में कुल 42 एपिसोड के साथ दर्शकों के सामने आएगा। नए एपिसोड रोजाना दोपहर 12 बजे स्ट्रीम होंगे। शो का प्रीमियर 26 जून को भारत समेत 240 से ज्यादा देशों में प्राइम वीडियो पर होगा। यह शो एक हाई–टेक अंडरग्राउंड फैसिलिटी में सेट है, जहां लग्जरी और कंपटीशन दोनों एक साथ चलते हैं। शो में 16 प्रतिभागी जोड़ियों के रूप में हिस्सा लेते हैं, जिन्हें फिजिकल टास्क, नॉलेज–बेस्ड चौलेंज और रणनीति से जुड़े गेम्स खेलने होंगे। हालांकि ट्विस्ट यह है कि ये जोड़ियां स्थायी नहीं हैं खेल के दौरान किसी भी वक्त रिश्ते बदल सकते हैं। वफादारी यहां सबसे बड़ी करेंसी है, लेकिन यही सबसे जल्दी टूटने वाली चीज भी साबित हो सकती है। शो में रवि किशन और उनकी बेटी रीवा किशन, कुशल टंडन और अर्सलान गोनी, जैद दरबार और डेजी शाह, मिनी माथुर और निखिल चिनापा, साथ ही डिजिटल और टीवी इंडस्ट्री के कई चर्चित चेहरे शामिल हैं। कुल मिलाकर यह शो विभिन्न क्षेत्रों के सेलिब्रिटी और क्रिएटर्स को एक ही मंच पर लाता है। कुणाल खेमू ने कहा कि 'एलायंस' उनके लिए एक बिल्कुल नया अनुभव है। उनके अनुसार यह शो सिर्फ टास्क जीतने का खेल नहीं है, बल्कि रिश्तों को संभालने, कठिन फैसले लेने और हर मोड़ पर खुद को ढालने की चुनौती है। उन्होंने इसे एक अनप्रेडिक्टेबल और स्ट्रेटेजिक अनुभव बताया, जो दर्शकों को हर एपिसोड में नई स्थिति से रूबरू कराएगा। 'एलायंस' की सबसे बड़ी थीम यही है कि यहां हर रिश्ता अस्थायी है। सबसे करीबी साथी भी सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी बन सकता है। आठ जोड़ियां खेल में उतरेंगी, लेकिन अंत में सिर्फ एक विजेता होगा।

> शो में रवि किशन और उनकी बेटी रीवा किशन, कुशल टंडन और अर्सलान गोनी, जैद दरबार और डेजी शाह, मिनी माथुर और निखिल चिनापा, साथ ही डिजिटल और टीवी इंडस्ट्री के कई चर्चित चेहरे शामिल हैं। कुल मिलाकर यह शो विभिन्न क्षेत्रों के सेलिब्रिटी और क्रिएटर्स को एक ही मंच पर लाता है।

बागेश्वर बाबा के दरबार में पहुंचीं टाइगर श्रॉफ की ऑनस्क्रीन भाभी, पति के साथ लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली,एजेंसी। हाल ही में अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। अब श्बागी 3श में उनकी भाभी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री अंकिता लोखंडे भी अपने पति विक्की जैन के साथ बागेश्वर बाबा से मिलने पहुंचीं हैं। इस मुलाकात की तस्वीरें अंकिता और विक्की ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इसमें दोनों बागेश्वर बाबा के सामने बैठे हुए आशीर्वाद लेते दिखाई दे रहे हैं। एक दूसरी तस्वीर में तीनों एक साथ कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में अंकिता लोखंडे ने लिखा, कुछ मुलाकातें पहले से तय होती हैं और कुछ आशीर्वाद बहुत कीमती होते हैं। बागेश्वर धाम बाबा के साथ इस दिव्य पल के लिए हम आभारी हैं। दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने भी बागेश्वर बाबा से मुलाकात की थी। इस दौरान समाजसेवा और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर बातचीत हुई। उन्हें बागेश्वर बाबा द्वारा चलाए जा रहे जनसेवा कार्यों की जानकारी दी गई। इनमें गरीब बेटियों के लिए प्रस्तावित कैंसर अस्पताल का निर्माण और बागेश्वर धाम में चल रही मां अन्नपूर्णा प्रसादम रसोई भंडारे जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। टाइगर श्रॉफ ने इन सभी कार्यों के बारे में ध्यान से सुना और सराहना की। टाइगर श्रॉफ और अंकिता लोखंडे ने फिल्म बागी 3 में साथ काम किया था। इसी फिल्म में अंकिता ने उनकी ऑनस्क्रीन भाभी रुचि नंदन चतुर्वेदी का किरदार निभाया था, जबकि रितेश देशमुख उनके पति के किरदार में नजर आए थे। अगर अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की लव स्टोरी की बात करें तो दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी। साल 2019 में विक्की जैन ने बेहद रोमांटिक अंदाज में अंकिता को प्रपोज किया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। 2021 में दोनों ने शादी कर ली। अब दोनों कुकिंग रियलिटी शो लाफ्टर शेफ्स– अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आ रहे है।

सौतेली बहन अंशुला कपूर के प्री-वेडिंग फंक्शन में जाह्नवी कपूर ने साड़ी पहन लूटी महफिल, रॉयल लुक में लगी पूरी महारानी

बॉलीवुड के कपूर खानदान में शादी की शहनाइयां बजनी शुरू हो चुकी हैं। आपको बता दें कि बोनी कपूर की बड़ी बेटी अंशुला कपूर के प्री–वेडिंग फंक्शन शुरू हो गए हैं। शादी के फंक्शन्स की शुरुआत माता की चौकी से की गई और इस दौरान जाह्नवी कपूर, खुशी और अर्जुन भी नजर आए हैं। इसी नीच दुल्हन अंशुला तो सुन्दर लग ही रही हैं लेकिन उनके साथ उनकी सौतेली बहन जाह्नवी कपूर ने भी अपने लुक से सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। माता की चौकी के लिए जाह्नवी कपूर ने ट्रेडिशनल लुक को तर्जी और साड़ी पहनी। वैसे तो जाह्नवी कपूर हमेशा से ही अपने फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। वो जो भी पहनती हैं, उनकी सुंदरता निखर कर आती है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं जाह्नवी कपूर ने पिंक और पर्पल मिक्स ऑर्गेन्जा साड़ी पहनी हुई है। इस साड़ी के ऊपर सोने के धागों से बारीक ग्रिड या चेकर पैटर्न बना हुआ है। यह साड़ी दिखने में जितनी हल्की और पारदर्शी है, उतनी ही रॉयल भी लग रही है। साड़ी का मुख्य आकर्षण इसका चौड़ा लाल–मैरून रंग का बॉर्डर है, जिस पर बेहद महीन और जटिल जरी का काम किया गया है। अपने लुक को और भी ज्यादा रॉयल बनाने के लिए जाह्नवी ने प्रॉपर ट्रेडिशनल ज्वेलरी पहनी। उन्होंने गले में बहुत हैवी मंदिर–शैली का चोकर नेकलेस पहना है, जिसमें नीचे की तरफ छोटे–छोटे हरे रंग के मोती लटके हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने मैचिंग के भारी झुमके पहने हैं। इसी के साथ उंगलियों में उन्होंने बड़ी–बड़ी अंगूठियां पहनी हुई हैं। अपने कपड़ों के साथ साथ–साथ जाह्नवी ने अपने मेकअप भी पपरफेक्ट रखा। उनकी आंखों को स्मोकी शैडो और विंग्ड आईलाइनर के साथ डिफाइन किया गया है, जबकि पलकों पर हैवी मस्कारा लगाया गया है। होठों पर न्यूड–पिंक ग्लॉसी लिपस्टिक और गालों पर हल्का ब्लश उनके चेहरे की चमक को बढ़ा रहा है। जाह्नवी कपूर की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

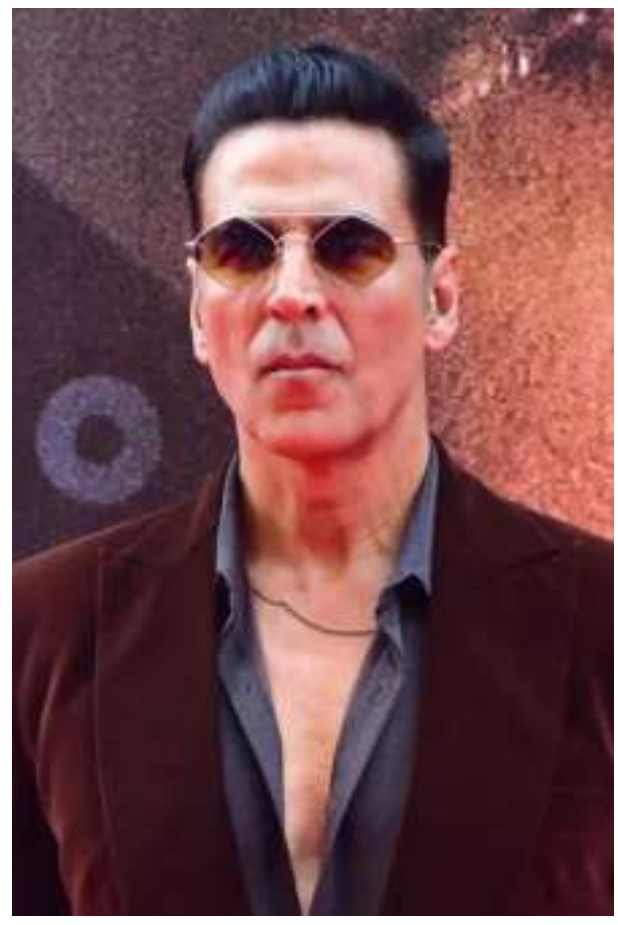

अब कॉमेडी करना मुश्किल हो गया है', अक्षय कुमार का मानना रील्स–मीम्स कर रहे लोगों का मनोरंजन

नई दिल्ली,एजेंसी। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। फिल्म का प्रमोशन जोरों पर चल रहा है। इस कॉमेडी फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अक्षय कुमार का मानना है कि डिजिटल दौर में कॉमेडी करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। जहां मीम्स और इंस्टाग्राम रील्स रोजाना लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। एक्टर ने स्टैंड–अप कॉमेडियंस की भी तारीफ की कि वे किस तरह लोगों को हंसाते हैं। पीटीआई से बातचीत में अक्षय ने माना कि मौजूदा वक्त में कॉमेडी करना काफी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह अब और भी मुश्किल हो गया है। आज हर जगह रील्स, मीम्स और कॉमेडी कंटेंट मौजूद हैं। लेकिन कॉमेडी एक बड़ी नदी की तरह है, यह कभी सूखती नहीं है। कॉमेडी के कई रूप हैं, जैसे फिजिकल कॉमेडी, सिचुएशनल कॉमेडी, स्लैपस्टिक कॉमेडी और डार्क ह्यूमर। एक्टर ने भारत में पिछले कुछ साल में कॉमेडी के नए तरीकों जैसे स्टैंड–अप के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि लोगों को हंसाने के अनगिनत तरीके हैं। अगर आप इंस्टाग्राम खोलें, तो आपको ढेर सारे मीम्स और मजेदार वीडियो मिल जाएंगे। लोग रोजाना कॉमेडी देखते–सुनते हैं। बहुत सारे कॉमेडी शो और टैलेंटेड स्टैंड–अप कॉमेडियन हैं जो नया कंटेंट बना रहे हैं। लेकिन लोगों को हंसाना आज भी सबसे मुश्किल कामों में से एक है। लोग अक्सर कॉमेडी को कमतर आंकते हैं। मैं स्टैंड–अप कॉमेडियन का बहुत सम्मान करता हूं। दर्शकों के सामने अकेले खड़े होकर लोगों को हंसाना वाकई बहुत मुश्किल काम है। अक्षय अब वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगे। यह 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय 30 से ज्यादा एक्टर्स की कास्ट को लीड कर रहे हैं, जिनमें सुनील शेट्टी, परेश रावल, रवीना टंडन, अरशद वारसी, लारा दत्ता, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, आफताब शिवदसानी, तुषार कपूर, राजपाल यादव और जैकी श्रॉफ समेत कई कलाकार शामिल हैं। वेलकम टू द जंगल का निर्देशन अहमद खान ने किया है और यह 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एक्टर नहीं बल्कि टीम इंडिया के स्टार बनना चाहते थे बश्वलीवुड के किंग शाहरुख खान, बोलें– ये सपना कभी पूरा नहीं हो पाया

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान आज दुनिया भर में अपनी शानदार एक्टिंग और दमदार व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं। पिछले तीन दशकों से अधिक समय से वह फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं और करोड़ों लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुके हैं। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि बचपना में उनका सपना अभिनेता बनने का नहीं था। एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान ने बताया कि उन्हें हमेशा से स्पोर्ट्स बहुत पसंद थी। वह क्रिकेट और फुटबॉल के बड़े शौकीन थे और भविष्य में एक सफल खिलाडी बनने का सपना देखते थे। उनका मन अभिनय की दुनिया से ज्यादा खेल के मैदान में लगता था और वः खुद को एक प्रोफेशनल स्पोर्ट्स पर्सन के रूप में देखना चाहते थे। लेकिन किस्मत को कुछ और भी मंजूर था। समय के साथ उनका ध्यान एक्टिंग की तरफ बढ़ता चला गया। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की और बॉलीवुड में कदम रखा। अपनी मेहनत और लग्न के दम पर आज शाहरुख खान ने वो नाम कमाया है, जो हर कलाकार सपना देखता है। जब उनसे सवाल पूछा गया कि आप हमेशा से एक्टर बनना चाहते थे ? तो इसके बाद शाहरुख खान ने जवाब दिया कि मेरा सपना स्पोर्ट्समैन बनने का था और मैं हमेशा से अपने देश के लिए खेलना चाहते थे। मेरा रुझान ज्यादा हॉकी की तरफ था और मैं उसी टीम के लिए खेलना चाहता था। शाहरुख खान ने बताया था कि खेल के दौरान उन्हें गंभीर चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें झुकने तक में परेशानी होने लगी। इस चोट ने उनके खेलों में करियर बनाने के सपने को लगभग खत्म कर दिया। ऐसे मुश्किल समय में उनके माता–पिता ने उन्हें दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज में हो रहे एक नाटक को देखने और उसमें हिस्सा लेने की सलाह दी। शाहरुख उस समय अपने स्पोर्ट्स करियर के टूटने से बेहद निराश थे, लेकिन थिएटर से जुड़ने के बाद उनकी रुचि अभिनय की ओर बढ़ने लगी। यहीं से उनके सफर की नई शुरुआत हुई। इसके बाद उन्होंने टेलीविजन में काम किया और फिर फिल्मों में अवसर मिलने लगे, जिसने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी।

10 दिन में चेहरे की रंगत बदल देगा ये चंदन का नुस्खा,फीकी पड़ेगी सभी महंगी क्रीमें

प्रदूषण व तेज धूप के संपर्क में आने से अक्सर हर किसी की स्किन बेजान हो जाती है। गर्म हवाओं के कारण भी त्वचा की रंगत खराब हो जाती है। ऐसे में अपनी स्किन की रंगत निखारने के लिए कई लोग मार्केट से ब्यूटी क्रीम या सीरम का सहारा लेते है। जिसे वह अपनी त्वचा पर लगाकर चेहरे का पहले जैसा ग्लो बरकरार रख सकें। लेकिन इन ब्यूटी क्रीमों का प्रभाव आपके चेहरे पर सिर्फ कुछ दिनों के लिए ही रहता है। हालांकि आप घर पर कुछ घरेलू उपायों को अपनाकर त्वचा की रंगत निखार सकते हैं। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

सामग्री

गुलाब जल

विटामिन–ई कैप्सूल

चंदन पाउडर

गुलाब जल के फायदे

यह त्वचा के पोर्स साइज को बड़ा नहीं होने देता।

त्वचा को लचीला रखने में बेहद कारगर है।

विटामिन– ई के फायदे

विटामिन–ई त्वचा में मौजूद सेल्स को जीवनदान देते है।

स्किन को मॉइस्चराइज करने में विटामिन–ई बेस्ट ऑप्शन है।

चंदन पाउडर के फायदे

यह स्किन को ठंडक प्रदान करता है।

चेहरे के पोर्स साफ करने में मदद मिलती है।

टैनिंग की समस्या दूर रहती है।

इस तरह करें इस्तेमाल

1 एक बाउल में 3 चम्मच चंदन पाउडर डालकर उसमें विटामिन–ई का कैप्सूल मिलाएं।

2 फिर इसमें 3 चम्मच गुलाब जल डालकर अच्छे से मिक्स कर पेस्ट बनाए।

3 इस पेस्ट को अपने चेहरे पर 20 मिनट तक लगाकर रखे।

4 20 मिनट के बाद पानी और कॉटन की सहायता से चेहरा साफ करें।

5 हफ्ते में 2 बार इस फेस पैक का इस्तेमाल करें।

घर पर बनाएं टेस्टी–टेस्टी राजस्थानी पंचमेल दाल, ये है पूरी रेसिपी

हर भारतीय घरों में अलग– अलग तरह के पकवान बनते है। लेकिन खाने में अगर दाल न हो, तो खाने का मजा ही किरकिरा हो जाता है। इसी कड़ी में आज हम आपके लिए पौष्टिक आहार से भरपूर राजस्थानी दाल की रेसिपी लेकर आए है। जो क पांच तरह की दालों को मिक्स करके बनाई जाती है। इसमें चने, मूंग, मसूर, तूअर और उरद की दाल का मेल होता है। इसे बनाना काफी आसान है और यह आम दाल की ही तरह बनाई जाती है। तो चलिए जानते है राजस्थानी पंचमेल दाल की रेसिपी।

सामग्री

तूर दाल – 2 चम्मच

उरद दाल –2 चम्मच

मूंग दाल –2 चम्मच

मसूर दाल –2 चम्मच

चना दाल –2 चम्मच

हल्दी पाउडर– 1 चम्मच

नमक– स्वादानुसार

घी–1 चम्मच

लौंग– 2

काला इलायची– 1

जीरा– आधा चम्मच

सूखी लाल मिर्च– 3

प्याज – 4 (बारीक कटा प्याज)

अदरक लहसुन का पेस्ट– 1 चम्मच

मिर्च पाउडर– 1 चम्मच

गरम मसाला – आधा चम्मच

कसूरी मेथी– 1 चम्मच

धनिया पत्ती – 4 से 5

टमाटर – 2

बनाने की विधि

1 एक कटोरे में सभी दालों को धोने के बाद 30 मिनट के लिए भिगो दें।

2 प्रेशर कुकर में दालों सहित हल्दी, नमक, घी के साथ 3 कप पानी मिलाकर 5 सीटी आने तक पकाएं।

3 दाल को निकाल कर एक तरफ रख दें और एक कड़ाही में घी गर्म करें।

4 इसमें लौंग, काला इलायची, जीरा और सूखे लाल मिर्च डालकर भूनें।

5 फिर नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर मिलाएं।

6 अब बारीक कटे टमाटर डालकर नरम होने तक फ्राई करें।

7 पकी हुई दालों को इसमें डालकर आवश्यकतानुसार पानी डालकर दस मिनट उबालें।

8 फिर गरम मसाला, कसूरी मेथी, धनिया पत्ती डालकर मिलाएं।

स्किन प्राब्लम को घरेलू नुस्खों से दें मात, नहीं पड़ेगी महंगे प्रोडक्ट्स की जरूरत!

हर महिला की चाहत होती है कि उनको स्किन ग्लो करे और उसमें एक भी दाग ना हो। इसके लिए महिलाएं तरह–तरह के महंगे प्रोडक्ट्स का भी इस्तेमाल करती हैं। लेकिन हमारी लाइफस्टाइल ही कुछ ऐसी हो गई है की त्वचा पर एलर्जी, जलन, पततपजंजपवद होना आम बात हो गया है। इससे हमारी त्वचा बहुत ही अहेल्दी बन जाती है। वहीं आजकल ही लाइफस्टाइल के चलते कुछ तो ऐसे स्किन बवदकपजपवदे भी हैं जिस जितना भी कोशिश कर लो ठीक नहीं किया जा सकता। ज्यादा से ज्यादा आप इसे बस कंट्रोल करने की कोशिश कर सकती हैं। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में....

एक्जिमा

ये एक ऐसी बवदकपजपवद है जिसमें स्किन में खुजली और सूजन हो जाती है। इसका कारण होता है फूड एलर्जी, प्रदूषण और स्ट्रेस। वैसे तो इसे एंटीबायोटिक्स की मदद से कंट्रोल में रखा जा सकता है, लेकिन दवाओं से बेहतर है आप इसके लिए घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करें।

नारियल का तेलरू तेल सीधे त्वचा में डूब जाता है और खुली हुई कोशिकाओं के बीच की जगह को भर देता है।ये त्वचा को सूखने और ज्यादा जलन होने से रोकता है।

सोरायसिस

सोरायसिस त्वचा पर सूजन और लाल धब्बे का कारण बनती है। इस स्थिति की गंभीरता केवल उचित चिकित्सा निदान के माध्यम से तय की जा सकती है।

टी ट्री ऑयल– यह रूखी और मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाकर त्वचा की समस्याओं और संक्रमण के इलाज में सहायक है।

हल्दीरू यह सोरायसिस के लक्षणों से राहत दिलाने के लिए जानी जाती है।

डेड सी सॉल्ट रू नहाने के पानी में एक चौथाई कप डेड सी सॉल्ट खुजली और जलन को कम करने में मदद कर सकता है। मिश्रण को धोने से पहले 15 मिनट के लिए पानी में भिगो दें।

मुंहासा

जीवन में कम से कम एक बार मुंहासे तो सब को झेलने पड़ते है, खासकर के जममदंहम लमंते में। मुंहासे इसवबामक ींपत विससपबसमे या हार्मोनल असंतुलन के कारण होते हैं। ये शरीर

के किसी भी हिस्सा में हो सकते हैं और अगर इसे अनियंत्रित छोड़ दिया जाए तो आगे फैल भी सकते हैं।ापद म•चमतजे कुछ प्रभावी क्रीम सुझाते हैं, जिससे एक्ने कंट्रोल करने में मदद मिलती हैरू

पपीता– ये डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है। पपीते के पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15–20 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसे धीरे–धीरे गुनगुने पानी से धो लें।

संतरे के छिलके का पेस्टरू संतरे में विटामिन सी नई स्वस्थ त्वचा कोशिकाओं के विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है। संक्रमित क्षेत्रों पर संतरे के छिलके का पेस्ट लगाएं और इसे ध ोने से पहले 20–25 मिनट के लिए लगा रहने दें।

टी ट्री ऑयल– ये डेड स्किन सेल्स को खत्म करता है।

केले का छिलका– इसमें ल्यूटिन होता है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो सूजन और सूजन को कम करने में मदद करता है। स्किन में तमकदमे को कम करने के लिए केले के छिलके को मुंहासों पर रगड़ें।

स्ट्रेच मार्क्स

स्ट्रेच मार्क्स तब दिखाई देते हैं जब स्किन के नीचे के मोटा टिशू आ जाए, इसे डर्मिस कहते हैं। शारीरिक बनावट में बदलाव के चलते स्किन में ये मार्क्स आते हैं। इसे पूरी तरह से हटाया तो नहीं जा सकता है। कॉस्मेटिक फ्रैक्शनेटेड लेजर जैसे उपचार विकल्प आपके बैंक से पैसों का साफया कर देंगे। इसके बजाय, इन क्प्ल उपायों को आजमाएंरू

अरंडी का तेलरू स्ट्रेच मार्क्स पर तेल लगाएं, धीरे–धीरे 5–10 मिनट के लिए मालिश करें। फिर त्वचा के हिस्से को एक पतले, सूती कपड़े से लपेटें। कुछ मिनटों के लिए संक्रमित क्षेत्र पर हीटिंग पैड का प्रयोग करें। इससे निशान कम होंगे।

अंडे की सफेदीरू अंडे की सफेदी की एक मोटी परत ब्रश से लगाएं और इसे सूखने दें। पानी से धोएं और हाइड्रेशन को स्किन में लॉक करने के लिए कोई तेल लगाएं।

चीनी– यह एक्सफोलिएटर के रूप में काम करता है और स्ट्रेच मार्क्स को कम करता है। बादाम के तेल और नींबू के रस में चीनी मिलाएं, नरम हाथों से कुछ मिनटों के लिए त्वचा पर रगड़ें, और धो लें।

अंडर–आई बैग

आंखों के नीचे बैग तनाव का संकेत है और इससे आप थके हुए दिखते हैं, चाहे आप कितनी भी अच्छी तरह से सोए हों। वे निचली पलकों में वसा के फलाव के कारण होते हैं और उम्र के साथ बढ़ सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि, आई बैग्स को पूरी तरह से हटाया नहीं जा सकता है। जबकि कॉस्मेटिक आई मास्क प्रभाव को कम कर सकते हैं, सूजन गायब नहीं होगी। ऐसे करें इसका उपचार–

पर्याप्त नींद लें।

सोते समय सिर को ऊंचा रखें।

नमक, शराब और कैफीन का सेवन कम करें।

ठंडे टी बैग, अंडे की सफेदी और कच्चे आलू के स्लाइस लगाएं।

हार्ट की बीमारी होने पर शरीर में दिखते हैं ये 10 वार्निंग अलर्ट, बरत लें सावधानी

गलत खान–पान और खराब लाइफस्टाइल कई तरह की बीमारियों का कारण बना हुआ है। इन्हीं में से एक है हार्ट प्रॉबलम्स। हार्ट प्रॉब्लम के कारण व्यक्ति अंदर से कमजोर हो जाता है क्योंकि इसके कारण छाती में जकड़न और सांस लेने में कठिनाई होती है। किसी भी उम्र में व्यक्ति को दिल संबंधी बीमारियां घेर सकती हैं। वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो दुनिया में हृदय रोगों के कारण 17 मिलियन से ज्यादा लोगों की जान जाती है। ऐसे में यदि दिल की बीमारी व्यक्ति को घेरे तो इससे पहले शरीर में कुछ लक्षण दिख सकते हैं।

रात को सोने में परेशानी होना

यदि आप सोते समय अपनी पीठ के बल लेटते हैं और आपको सोने में कठिनाई होती है तो यह हार्ट संबंधी बीमारी का लक्षण हो सकता है। ग्रेविटी के कारण फेफड़ों में तरल पदार्थ जमा होने लगते हैं ऐसे में जब आप एक बार लेटते हैं तो इससे यह आपके फेफड़ों में यह पदार्थ फैल सकती है। ऐसे में यदि आप कोई पेनकिलर लेते हैं तो आपकी समस्या बढ़ सकती है।

पैरों और फेफड़ों में सूजन होना

पैरों और फेफड़ों में सूजन होना भी दिल की बीमारी का एक संकेत है। शरीर के इन हिस्सों में सूजन का अर्थ है की आपके शरीर में सर्कुलेशन नहीं हो पा रहा है और गुरुत्वाकर्षण के कारण आपके शरीर प्रभावित होता है। इसके अलावा आपकी नसों में छोटे वॉलव होने के कारण आपकी उम्र के अनुसार, यह काम नहीं कर पा रहे हैं।

खांसी और घरघराहट होना

फेफड़ों में जमाव के कारण आपको लगातार खांसी और घरघराहट जैसी समस्या हो सकती है। अगर आपकी खांसी बिगड़ती है तो इसे इग्नोर न करें और एक बार डॉक्टर को जरुर दिखाएं।

एनर्जी कम होना

दिल संबंधी बीमारी होने के कारण आपको थकान महसूस हो सकती है। दिल के कार्यक्षमता कम होने पर रक्त आपके शरीर में अच्छी तरह से पंप नहीं हो पाता जिससे उच्च रक्त पंपिंग की कमी से थकान भी हो सकती है।

चक्कर आना

दिल में समस्या होने के कारण आपके सारे शरीर में रक्त पंप होने में परेशानी होती है। यदि आपके मस्तिष्क में एक निश्चित समय में रक्त नहीं पहुंच पा रहा है तो आपको चक्कर आ सकते हैं।

सांस लेने में परेशानी

दिल की बीमारी से जूझ रहे व्यक्तियों को सांस लेने में परेशानी हो सकती है। हृदय में रक्त अच्छी तरह से पंप ना होने के कारण यह समस्या हो सकती है। यदि दो सीढ़ियां चढ़ने पर आपको सांस लेने में समस्या हो रही है तो इसे इग्नोर न करें और डॉक्टर को संपर्क जरुर करें।

मतली आना या भूख न लगना

मतली और भूख न लगना भी दिल की बीमारियों का संकेत हो सकता है। जिगर और आंतों के आसपास द्रव अच्छे से संचय ना होने के कारण पाचन तंत्र पर तनाव मिलता है जिससे मतली और भूख न लगना जैसी समस्या हो सकती है।

30 से 50 साल की महिलाएं हो जाएं एलर्ट बढ़ती उम्र के साथ वैजाइना में देखने को मिलते हैं ये बदलाव

बढ़ती उम्र के साथ बीमारियों का भी प्रकोप बढ़ सा जाता है। खासकर 30 से 50 साल की महिलाओं के शरीर में तो कई सारे बदलाव देखने को मिलते हैं। वहीं मेजपॉज भी महिलाओं के शरीर को काफी हद तक कमजोर कर देता है। आपको शयाद पता ना हो, लेकिन शरीर के अन्य हिस्सों में बदलाव के साथ उनकी वैजाइना में भी 30 से 50 साल आते आते कई बदलाव होने लगते हैं, लेकिन बहुत सारी महिलाओं को इसके बारे में जानकारी नहीं होती। लेकिन जरूरी है कि आपको इसके बारे में पता हो ताकि समय रहते वैजाइना में होने वाली परेशानियों को पता लगाकर उसका बेहतर ख्याल रख सकें.. . सूजन

महिलाएं जब 40 –50 की उम्र में होती हैं तो शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का उत्पादन कम होता है, जिसके चलते वेजाइनल वॉल पतली हो जाती है। इससे प्राइवेट पार्ट में सूजन और ड्राईनेस आ जाती है।

प्यूबिक हेयर में बदलाव

अकसर महिलाएं प्राइवेट पार्ट के अनचाहे बालों से छुटकारा पाने के लिए शेविंग, वैक्सिंग और हेयर रिमूवर क्रीम का इस्तेमाल करती गै। मगर उम्र में जब महिलाएं 40– 50 के मोड़ पर पहुंचती हैं तो शरीर में एस्ट्रोजेन की कमी के कारण प्राइवेट पार्ट के बाल पतले होकर खुद से ही गायब होने लगते हैं।

वैजाइना की मसेंजपबपजल होती है कम

जैसे–जैसे महिलाओं की उम्र बढ़ती है वैसे–वैसे योनि की लोच (मसेंजपबपजल) कम होती जाती है। ऐसे में शारीरिक संबंध बनाते वैजाइना में छोटे–छोटे पानी की बूंदे आ सकती है। इससे आपके संक्रमण होने की संभावना बढ़ सकती है।

बढ़ने लगता है बैक्टीरिया और यूरिन इंफेक्शन का खतरा

वैजाइना में स्राव की कमी से उसका चभ लेवल भी बदल जाता है, जो वैजाइना को और भी ज्यादा एसिडिक बनाता है। ये वैजाइना में एक ऐसा वातावरण बनाता है, जो बैक्टीरिया और ईस्ष्ट के विकास में सहायक होता है। नतीजतन, कुछ महिलाओं में नतपदंतल इसंकककमत में इंफक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

पेशाब करते हुए जलन

बढ़ती उम्र में महिलाओं को बार बार यूरिन आना, यूरिन करते समय जलन, और बहुत लंबे समय तक इसे रोक ने पाना जैसी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है।

महिलाएं ऐसे करें अपनी वैजाइना की हेल्थ का ख्याल

बढ़ती उम्र की महिलाओं को प्रोबायोटिक फूड्स (जैसे इडली, डोसा,ढोकला, सेब, केला, योगर्ट, लहसुन) का सेवन करना चाहिए।

रोजाना कीगल एक्सरसाइज करनी चाहिए।

जंक फूड से बना लें दूरी।

दिन भर में 10–12 ग्लास पानी पीने की कोशिश करें।

डॉक्टर से परामर्श लें।

संक्षिप्त

हरे निशान पर खुले सेंसेक्स-निफ्टी शुरुआती कारोबार में यूएस डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर

नई दिल्ली,एजेंसी। आज सेंसेक्स–निफ्टी हरे निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में ै डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे कमजोर हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 142 अंकों की बढ़त के साथ खुला और 76342 अंकों पर कारोबार कर रहा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी तेजी देखी गई। बाजार की ओपनिंग के वक्त 18 अंकों की बढ़त के साथ खुला निफ्टी 23842 पर कारोबार कर रहा था। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच भारत के शेयर बाजार में निवेशक सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार को भारतीय शेयर बाजार की सपाट शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सूचकांकों में निफ्टी आईटी और निफ्टी फार्मा टॉप गेनर थे। इसके साथ निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसई हरे निशान में थे। निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मेटल, निफ्टी मीडिया और निफ्टी इन्फ्रा लाल निशान में थे। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मिलाजुला कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 60.90 अंक या 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 62,138.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 3 अंक की मामूली तेजी के साथ 18,823 पर था। सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड,बीईएल, सन फार्मा, टीसीएस, एलएंडटी, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स और एमएंडएम गेनर्स थे। भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, एनटीपीसी, टाइटन, बजाज फिनसर्व और एचयूएल लूजर्स थे। एक्सिस डायरेक्ट के रिसर्च प्रमुख, राजेश पलविया ने कहा कि एआई वैल्यूएशन को लेकर चिंताओं और फेडरल रिजर्व के सख्त रुख की उम्मीदों के बीच सेमीकंडक्टर शेयरों में कमजोरी के कारण वॉल स्ट्रीट में पिछले सत्र में भारी गिरावट देखी गई, जिससे बाजार में सेंटीमेंट नकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि जब तक निफ्टी 23,950 के नीचे रहेगा, यही सेंटीमेंट बना रहेगा। ज्यादातर वैश्विक बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। टोक्यो, शंघाई और जकार्ता लाल निशान में थे, जबकि हांगकांग,सोल और बैंकॉक हरे निशान में थे। टेक शेयरों में बिकवाली के कारण अमेरिकी शेयर बाजार भी मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ, जिसमें मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.09 प्रतिशत और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक में 2.21 प्रतिशत की बड़ी गिरावट देखी गई। दूसरी तरफ कच्चे तेल में लगातार कमजोरी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.35 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 0.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.04 डॉलर प्रति बैरल पर था।

व्यापार समझौता अंतिम चरण में पहुंचा, अमेरिकी अधिकारी ने कहा- हम समझौते के बेहद करीब

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता को लेकर दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिकी की उप सहायक सचिव बेथनी पॉलोस मॉरिसन ने बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने कहा दोनों देश इस समझौते को पूरा करने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम में बताया कि फरवरी 2026 में इस समझौते को अंतिम रूप देने का इरादा जताया गया था और अब हम समझौते के बहुत, बहुत करीब हैं। उन्होंने आगे कहा, इस प्रस्तावित समझौते से अमेरिका के कई सामान के लिए भारत का 1.4 अरब लोगों का विशाल बाजार खुल जाएगा। यह समझौता दोनों देशों के लिए बराबरी के आधार पर फायदेमंद होगा। अमेरिकी प्रशासन मिशन 500 के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रहा है। इसका उद्देश्य साल 2030 तक दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों पक्ष काफी गंभीरता दिखा रहे हैं। व्यापार के आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2025 भारत और अमेरिका के लिए एक ऐतिहासिक साल रहा है। इस दौरान दोनों देशों के बीच सामान का द्विपक्षीय व्यापार 149 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह साल 2024 के मुकाबले 20 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा की बढ़ोतरी है। केवल भारत को होने वाले अमेरिकी निर्यात में ही 9.8 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। निवेश के मामले में भी भारतीय कंपनियां अमेरिका में काफी दिलचस्पी दिखा रही हैं। शसिलेक्ट यूएसएश कार्यक्रम के दौरान भारत की ओर से अमेरिका में 20 अरब डॉलर के नए निवेश की संभावना दिखी। इसमें से 1.1 अरब डॉलर का निवेश तुरंत किया गया है। दोनों देश अपने आर्थिक रिश्तों को विस्तार देने के लिए बहुत तेजी से कदम उठा रहे हैं। इसी सिलसिले में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर और भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को नई दिल्ली में मुलाकात की। इस बैठक में अंतरिम समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाया गया। इस समझौते की नींव राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने रखी थी। बैठक में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और एक उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल भी शामिल हुआ। अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया पर बताया कि उनका मुख्य ध्यान एक निष्पक्ष व्यापार समझौता करने पर है। इससे अमेरिकी निर्यातकों के लिए बाजार खुलेगा और दोनों देशों को लाभ मिलेगा। वाणिज्य भवन में हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में अंतरिम समझौते के साथ–साथ एक बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भी चर्चा हुई। पीयूष गोयल ने अमेरिकी अधिकारियों का स्वागत किया और व्यापारिक रिश्तों के भविष्य को लेकर सकारात्मक उम्मीद जताई।

सूर्यांश शेडगे में 10 साल तक भारत के लिए खेलने का दम, किसने की इस युवा ऑलराउंडर की तारीफ?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में लगातार उभरती युवा प्रतिभाओं के बीच सूर्यांश शेडगे का नाम तेजी से चर्चा में आया है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित भारतीय टी20 टीम में पहली बार जगह बनाने वाले इस युवा ऑलराउंडर को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर और पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता जतिन परांजपे बेहद आश्वस्त नजर आते हैं। उनका मानना है कि सूर्यांश केवल मौजूदा समय के खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि उनमें अगले एक दशक तक भारतीय क्रिकेट की सेवा करने की क्षमता मौजूद है। आईएएनएस से विशेष बातचीत में जतिन परांजपे ने कहा कि सूर्यांश शेडगे के पास वह सभी गुण हैं जो किसी खिलाड़ी को लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल बनाते हैं। उन्होंने कहा, श्वह एक स्वाभाविक टी20 खिलाड़ी हैं और यह उनके लिए फायदेमंद रहेगा। उन्हें यह समझ आएगा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आईपीएल की तुलना में अधिक दबाव और तेजी होती है। इसलिए उन्हें इस माहौल में ढलने में तीन–चार मैच लग सकते हैं। हालांकि, मुझे पूरा भरोसा है कि उनके पास अगले 10 वर्षों तक भारत के लिए खेलने की क्षमता और मानसिक दृढ़ता है।

परांजपे का मानना है कि शेडगे के अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत के लिए इससे बेहतर मंच नहीं हो सकता था। उनके अनुसार आयरलैंड और इंग्लैंड की परिस्थितियां एक ऐसे ऑलराउंडर के लिए आदर्श हैं जो बल्लेबाजी के साथ–साथ मध्यम गति की गेंदबाजी भी करता हो। उन्होंने कहा, मैं उनके लिए बेहद खुश हूं। आयरलैंड और इंग्लैंड का दौरा सूर्यांश जैसे ऑलराउंडर के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। वहां गेंद हवा में और पिच से कुछ मूव करेगी। बल्लेबाजी के नजरिए से भी मुझे लगता है कि उन्हें ये परिस्थितियां पसंद आएंगी। जब कोई खिलाड़ी अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू करता है तो कई चीजों का उसके पक्ष में होना महत्वपूर्ण होता है और

उनमें से एक वह जगह भी होती है जहां वह पदार्पण कर रहा है। इसे लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। सूर्यांश शेडगे ने पिछले कुछ महीनों में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के लिए उन्होंने सात पारियों में 39.50 की औसत और 175.55 के शानदार स्ट्राइक रेट से 158 रन बनाए। इसके बाद श्रीलंका में इंडिया ए की त्रिकोणीय श्रृंखला में भी उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया। परांजपे का मानना है कि यह चयन किसी संयोग का नतीजा नहीं, बल्कि लगातार मेहनत और प्रदर्शन का पुरस्कार है।

पिछले दो वर्षों से शेडगे के साथ काम कर रहे परांजपे ने बताया कि उनका लक्ष्य खिलाड़ी के खेल को पूरी तरह बदलना नहीं, बल्कि उसकी प्राकृतिक क्षमताओं को और बेहतर बनाना था। उन्होंने कहा, श्वह पहले से ही बेहद काबिल खिलाड़ी थे। आपको बस उन्हें मानसिक तौर पर थोड़ा आराम देने और यह बताने की जरूरत होती है कि आप उन पर उतना ही विश्वास करते हैं जितना वे खुद पर करते हैं। हमारा काफी समय मैच की परिस्थितियों पर चर्चा करने और उनके सोचने के तरीके को समझने में बीता। उन्होंने आगे कहा, श्आप खेल को जितना सरल रखेंगे, उतना ही बेहतर होगा। दुनिया के सभी महान खिलाड़ी चीजों को सरल रखते हैं। हमने इस बात पर चर्चा की कि हर गेंद का सामना करते समय उनकी सेल्फ–टॉक कैसी होनी चाहिए और उसे लगातार सरल बनाए रखना चाहिए।

भारतीय टी20 टीम की कमान श्रेयस अय्यर और वनडे टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में है। परांजपे का मानना है कि युवा खिलाड़ियों के लिए यह एक सकारात्मक माहौल है। उन्होंने कहा, सिर्फ श्रेयस ही नहीं, यह मत भूलिए कि शुभमन भी एक युवा कप्तान हैं। मैंने शुभमन को बहुत करीब से देखा है। एक कप्तान के तौर पर उनमें काफी हमदर्दी है। यदि सूर्यांश प्लेइंग इलेवन में जगह बनाते हैं तो मुझे लगता है कि शुभमन उनका बहुत अच्छे तरीके से मार्गदर्शन करेंगे, क्योंकि एक युवा खिलाड़ी होने के नाते वह शुरुआती मैचों की घबराहट, तनाव और उत्साह को अच्छी तरह समझते हैं। परांजपे ने शेडगे के माता–पिता प्रशांत और प्रियदर्शिनी के योगदान की भी जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि दोनों ने अपने बेटे के क्रिकेट करियर को संवारने के लिए बैंकिंग क्षेत्र की नौकरियां छोड़ दी थीं। उनके अनुसार किसी खिलाड़ी की सफलता के पीछे परिवार की भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी मैदान पर उसकी मेहनत। सूर्यांश शेडगे फिलहाल भारतीय क्रिकेट के सबसे रोमांचक युवा खिलाड़ियों में गिने जा रहे हैं।

हैरी केन को भरोसा- घाना से ड्रॉ के बावजूद इंग्लैंड ग्रुप में टॉप पर रहने का प्रबल दावेदार

न्यूयॉर्क,एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप एल मुकाबले में इंग्लैंड और घाना के बीच खेला गया मैच 0–0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इंग्लैंड पूरे मैच में गेंद पर अधिक नियंत्रण रखने और कई आक्रमण करने के बावजूद गोल नहीं कर सका। हालांकि कप्तान हैरी केन का मानना है कि यह नतीजा उनकी टीम की ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने की संभावनाओं को प्रभावित नहीं करेगा। क्रोएशिया के खिलाफ पहले मैच में शानदार जीत दर्ज करने वाली इंग्लैंड की टीम घाना के खिलाफ जीत की उम्मीद लेकर उतरी थी, लेकिन अफ्रीकी टीम के मजबूत रक्षात्मक खेल ने उसे रोक दिया। मैच के बाद हैरी केन ने स्वीकार किया कि इंग्लैंड के पास जीत हासिल करने के पर्याप्त मौके थे, लेकिन टीम उन्हें गोल में तब्दील नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, यह ऐसा मैच था जिसे हम जीत सकते थे, लेकिन हम अपने मौकों का फायदा नहीं उठा सके। हमारे पास कुछ अच्छे अवसर आए, लेकिन घाना ने बेहतरीन डिफेंस किया। उनके कुछ खिलाड़ी काउंटर अटैक में भी काफी खतरनाक थे। केन ने माना कि मुकाबला आसान नहीं था और घाना ने पूरे मैच में अनुशासित फुटबॉल खेली। इंग्लैंड ने दूसरे हाफ में दबाव बढ़ाया और मैच के अंतिम चरण में कई मौके बनाए। केन खुद एक महत्वपूर्ण अवसर को गोल में नहीं बदल पाए, जबकि निको ओश्रेली का एक शानदार प्रयास क्रॉसबार से टकरा गया। केन का मानना है कि घाना के खिलाड़ी मैच के अंत तक थकने लगे थे, जिससे इंग्लैंड को कुछ अतिरिक्त मौके मिले, लेकिन टीम निर्णायक फिनिश नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, हमने मैच के दौरान लगातार सुधार किया। आखिरी हिस्से में हमें कुछ अच्छे मौके मिले, लेकिन गेंद गोल में नहीं जा सकी। कभी–कभी फुटबॉल में ऐसा भी होता है। हालांकि इंग्लैंड जीत हासिल नहीं कर पाया, लेकिन केन ने टीम की स्थिति को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि पहले मैच में मिली जीत और घाना के खिलाफ क्लीन शीट टीम के लिए अच्छे संकेत हैं। केन ने कहा, श्विश्व कप में हर मैच अलग चुनौती लेकर आता है। हमने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की है और अभी भी हमारे पास ग्रुप में शीर्ष पर रहने का शानदार मौका है। उन्होंने यह भी कहा कि टीम अब अगले मुकाबले पर पूरा ध्यान लगाएगी, जहां उसका सामना पनामा से होगा। इंग्लैंड का अगला मुकाबला पनामा के खिलाफ होगा और टीम जीत के साथ ग्रुप चरण समाप्त करना चाहेगी। केन ने कहा कि विश्व कप को दो हिस्सों में देखा जाता हैकृग्रुप चरण और नॉकआउट चरण। उनका लक्ष्य पहले ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करना और फिर नॉकआउट मुकाबलों की तैयारी करना है। कप्तान के मुताबिक, इंग्लैंड सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और टीम को विश्वास है कि वह अपने अभियान को मजबूती के साथ आगे ले जाएगी।

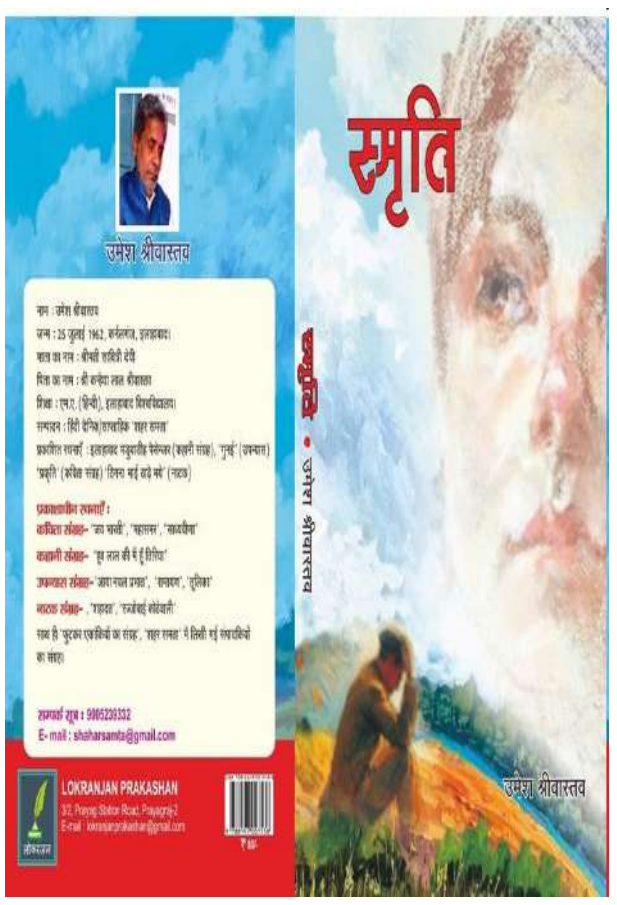

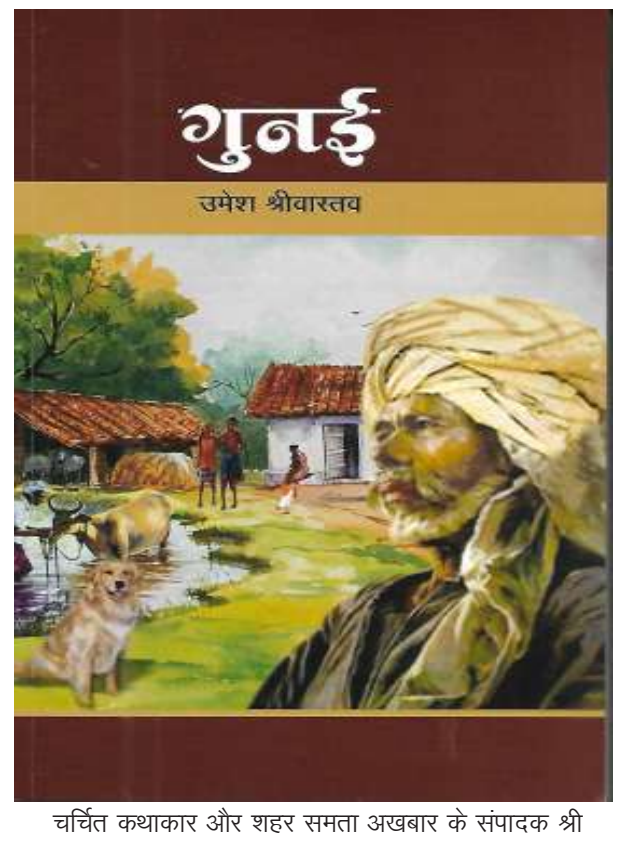

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

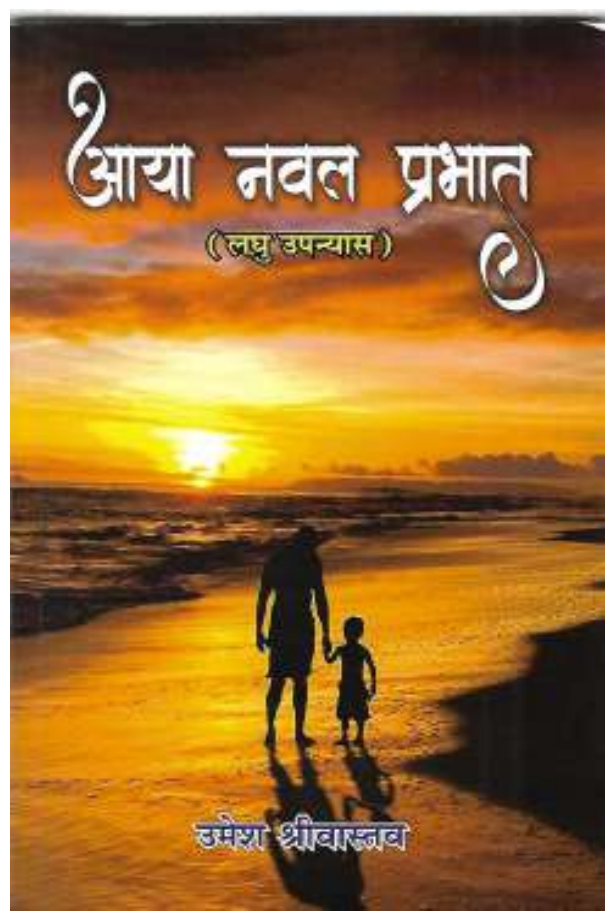

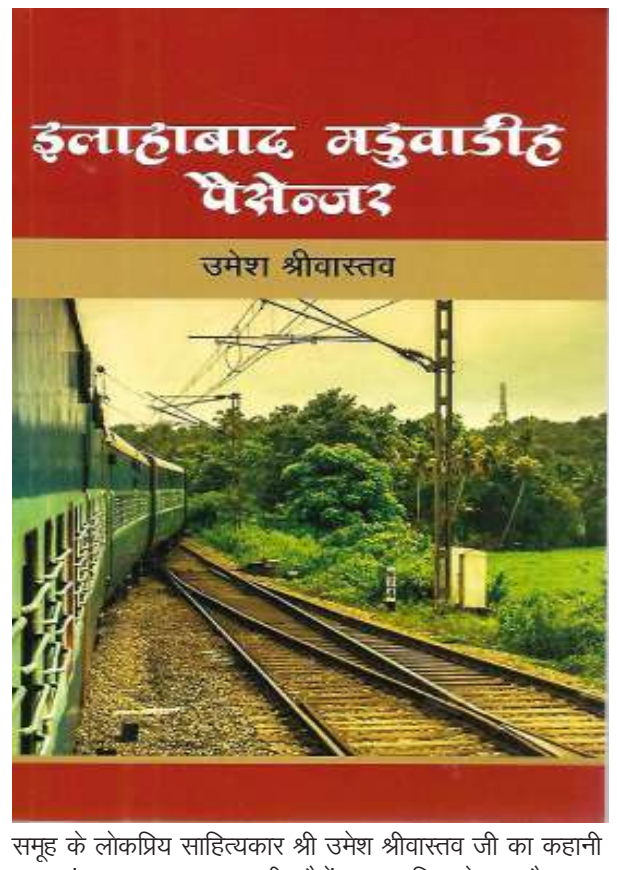

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

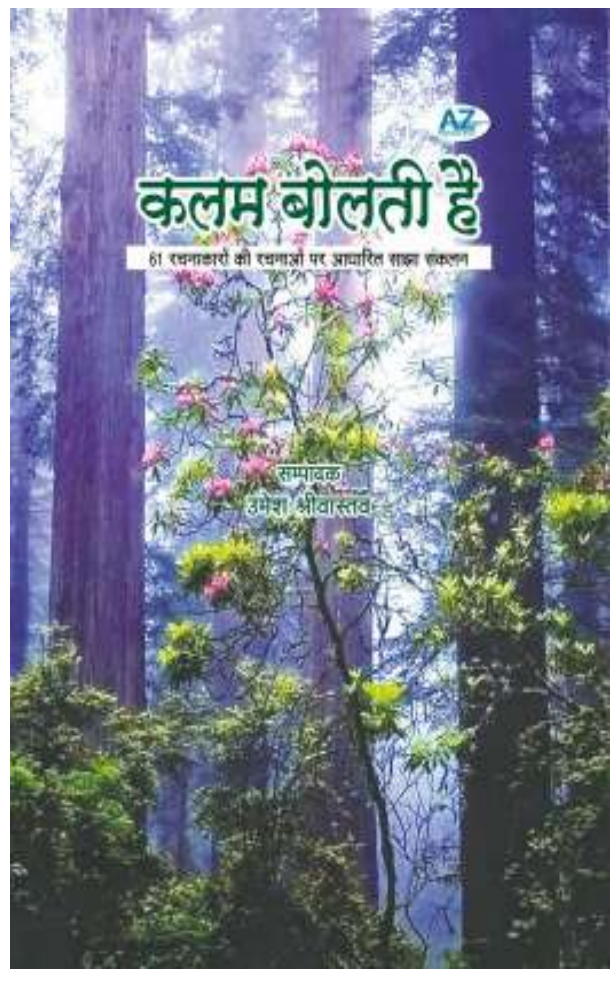

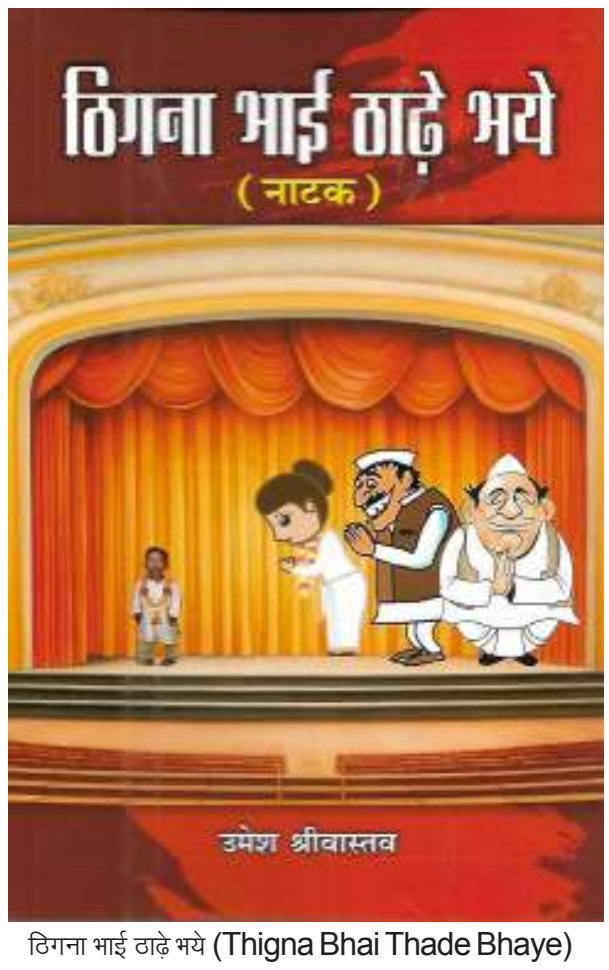

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई नहीं चाहती सीनेट, पहली बार वॉर पावर्स प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने पहली बार एक श्वॉर पावर्सश (युद्ध अधिकार) प्रस्ताव पारित करते हुए ईरान के खिलाफ अमेरिका की सैन्य कार्रवाई को सीमित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ा झटका है। एक तरह से सीनेट ने ट्रंप की ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की कोशिशों पर आपत्ति जताई है। मंगलवार को हुए मतदान में प्रस्ताव 50–48 मतों से पारित हुआ। हालांकि यह प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है और इसका पूर्ण कानूनी प्रभाव नहीं होगा, फिर भी इसे ट्रंप प्रशासन की सैन्य कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण और प्रतीकात्मक आपत्ति माना जा रहा है। सीनेट द्वारा इस तरह का प्रस्ताव पारित किया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पहले नौ बार ऐसे प्रयास विफल हो चुके थे। यह सीनेट में ट्रंप के गिरते समर्थन का भी प्रतीक है। इसी महीने प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे चुकी है। प्रस्ताव पारित होने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच श्ट्रुथ सोशलश पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे गलत समय पर लाया गया और बेकार प्रस्ताव करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मतदान से ईरान को मदद मिलेगी और उनका मनोबल भी बढ़ेगा। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने कहा, श्बार–बार सीनेट में अधिकांश रिपब्लिकन सांसद ट्रंप और उनके युद्ध के साथ खड़े रहे, न कि अमेरिकी जनता के साथ।श उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी जनता को ईरान में ट्रंप की ऐतिहासिक भूल की कीमत चुकानी पड़ रही है और यह अमेरिकी विदेश नीति की सबसे खराब गलतियों में से एक के रूप में इतिहास में दर्ज होगी। मतदान के दौरान रिपब्लिकन पार्टी के चार सीनेटर लिसा मर्कोव्स्की, सुसान कॉलिन्स, रैंड पॉल और बिल कैसिडी ने डेमोक्रेट्स का साथ देते हुए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। वहीं डेमोक्रेटिक सीनेटर जॉन फेटरमैन ने प्रस्ताव का विरोध किया। ट्रंप ने इन चारों रिपब्लिकन सांसदों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने उनका काम और मुश्किल बना दिया है। दो रिपब्लिकन सीनेटरों की अनुपस्थिति ने भी मतदान के नतीजे को प्रभावित किया। इनमें केंटकी से सीनेटर मिच मैककोनेल भी शामिल थे, जिन्हें हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह मतदान ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी रक्षा विभाग ईरान युद्ध के बाद हथियारों और सैन्य भंडार की भरपाई के लिए कांग्रेस से लगभग 80 अरब डॉलर की अतिरिक्त राशि की मांग कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को कैपिटल हिल पहुंचकर रिपब्लिकन सीनेटरों से मुलाकात करने वाले हैं। ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह ईरान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत दोनों पक्षों को ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर व्यापक समझौते के लिए 60 दिनों का समय दिया गया है। हालांकि, कई रिपब्लिकन सांसद इस समझौते से भी असहमत हैं। विशेष रूप से ईरान के पुनर्निर्माण के लिए प्रस्तावित 300 अरब डॉलर के फंड को लेकर आपत्तियां जताई जा रही हैं। यह राशि 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा ईरान को दी गई 1.7 अरब डॉलर की राशि से कहीं अधिक है। रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज ने हाल ही में कहा था, श्मेरा मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान के मामले में बेहद खराब सलाह दी जा रही है।श डेमोक्रेट सांसद फरवरी में अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर मिसाइल हमले शुरू किए जाने के बाद से लगातार युद्ध अधिकार संबंधी प्रस्ताव ला रहे थे, लेकिन अब तक उन्हें जरूरी समर्थन नहीं मिल पाया था।

पेंटागन के शुरुआती अनुमान के अनुसार, युद्ध के पहले सप्ताह में ही लगभग 11.3 अरब डॉलर खर्च हुए थे। वहीं कुछ विशेषज्ञों का अनुमान है कि श्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीश की कुल लागत 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है।

संक्षिप्त

सात साल में सबसे ज्यादा बच्चों का जन्म, घटती आबादी पर मिली बड़ी राहत

सियोल,एजेंसी। दक्षिण कोरिया में अप्रैल 2026 के दौरान 24,521 बच्चों का जन्म हुआ, जो सात साल में सबसे अधिक है। जनवरी–अप्रैल अवधि में भी जन्मों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर रही। विशेषज्ञ इसके पीछे बढ़ती शादियों और बच्चों के प्रति सकारात्मक सोच को कारण मान रहे हैं। हालांकि जन्म दर में सुधार हुआ है, लेकिन देश अभी भी जनसंख्या स्थिर रखने के लिए जरूरी स्तर से काफी पीछे है। लंबे समय से अपनी घटती जन्म दर को लेकर परेशान दक्षिण कोरिया के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। सरकार की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक इस साल अप्रैल महीने में 2026 में देश में बच्चों के जन्म की संख्या पिछले सात वर्षों में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में 24,521 बच्चों का जन्म हुआ, जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में करीब 18 प्रतिशत ज्यादा है। यह अप्रैल 2019 के बाद किसी भी अप्रैल महीने में दर्ज की गई सबसे बड़ी संख्या है। सिर्फ अप्रैल ही नहीं, बल्कि जनवरी से अप्रैल के बीच भी कुल 99,534 बच्चों का जन्म हुआ। यह आंकड़ा पिछले सात वर्षों में सबसे ज्यादा है और पिछले साल की तुलना में 15.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव के पीछे शादियों की बढ़ती संख्या और परिवार बढ़ाने को लेकर लोगों की बदलती सोच अहम वजह है। अप्रैल में शादियों की संख्या भी 9 प्रतिशत बढ़कर 20,622 तक पहुंच गई, जो पिछले एक दशक के सबसे अच्छे आंकड़ों में से एक है। देश की कुल प्रजनन दर भी बढ़ी है। अप्रैल में यह बढ़कर 0.93 हो गई, जबकि एक साल पहले यह 0.80 थी। हालांकि यह सुधार सकारात्मक माना जा रहा है, लेकिन आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए जरूरी 2.1 के स्तर से यह अभी भी काफी नीचे है। इस बीच तलाक के मामलों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल में 7,829 तलाक हुए, जो पिछले साल के मुकाबले 7.3 प्रतिशत अधिक हैं। एक और राहत की बात यह रही कि मौतों की संख्या में मामूली गिरावट दर्ज की गई। अप्रैल में 28,405 लोगों की मौत हुई, जो पिछले साल की तुलना में 1.3 प्रतिशत कम है। इसके बावजूद जन्म से ज्यादा मौतें होने के कारण देश की आबादी में 3,884 लोगों की प्राकृतिक कमी दर्ज की गई। फिर भी लगातार कई महीनों से बढ़ रहे जन्म के आंकड़े दक्षिण कोरिया के लिए उम्मीद की नई किरण माने जा रहे हैं। सरकार और विशेषज्ञों को उम्मीद है कि यह रुझान आगे भी जारी रहा तो देश की घटती आबादी की समस्या को काफी हद तक संभाला जा सकेगा।

यूएस राष्ट्रपति ट्रंप के सामने उठा पाकिस्तान की ज्यादती का मामला, महरंग बलोच को उम्रकैद पर नाराजगी

वॉशिंगटन,एजेंसी। बलोच अमेरिकन कांग्रेस के अध्यक्ष तारा चंद ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखकर बलोच यकजहती कमेटी (बीवाईसी) की नेता महरंग बलोच को सुनाई गई उम्रकैद की सजा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण राजनीतिक कार्यकर्ताओं के अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधी अदालत ने सोमवार को महरंग बलोच समेत चार कार्यकर्ताओं को फ्रंटियर कॉर्प्स के एक अधिकारी की हत्या से जुड़े मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। राष्ट्रपति ट्रंप को संबोधित पत्र में तारा चंद ने लिखा, महरंग बलोच ने अपना जीवन बलोचिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों, पुलिस हिरासत में हत्याओं और मानवाधिकार उल्लंघनों के मुद्दों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाने के लिए समर्पित किया है। वह एक साल से अधिक समय से जेल में हैं और अब उन्हें पाकिस्तानी अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। हमारा मानना है कि यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण राजनीतिक कार्यकर्ताओं के अधिकारों को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद बलोचिस्तान के लोग गरीबी, राजनीतिक दमन और मानवाधिकार उल्लंघनों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई परिवार अब भी अपने लापता परिजनों की तलाश कर रहे हैं, जबकि न्याय की मांग करने वाले लोगों को धमकियों और जेल का सामना करना पड़ता है। तारा चंद ने अमेरिकी सरकार से महरंग बलोच के मामले की बारीकी से निगरानी करने, उनकी अपील के अधिकार का समर्थन करने तथा पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों और कानून का पालन करने के लिए दबाव बनाने का आग्रह किया। कई प्रमुख मानवाधिकार संगठनों ने भी अदालत के फैसले की आलोचना की है और इसे निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन तथा न्याय का खुला हनन बताया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

सिंगापुर में भारतीय-बांग्लादेशी मजदूरों का हंगामा: महीनों से नहीं मिला वेतन, सरकार ने किया मदद का एलान

सिंगापुर,एजेंसी। सिंगापुर में काम कर रहे भारत और बांग्लादेश के करीब 400 प्रवासी मजदूर इन दिनों मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। इन मजदूरों का आरोप है कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने रोजमर्रा का खर्च चलाना भी चुनौती बन गया है। यह मामला तब सामने आया जब करीब 100 मजदूरों ने सिंगापुर के श्रम मंत्रालय से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद मंत्रालय ने केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज नाम की दो कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी। जांच शुरू होने के बाद और भी मजदूर सामने आए, जिससे प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बढ़कर लगभग 400 तक पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, दोनों कंपनियों का संचालन एक ही डायरेक्टर से जुड़ा हुआ है। यह भी सामने आया है कि वह कई अन्य कंपनियों से भी संबद्ध है। इस बीच, कंपनियों के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि मजदूरों को खाना उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने भी भुगतान न मिलने के कारण सप्लाई रोक दी है। ऐसे में कई मजदूरों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया। राहत की बात यह है कि प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले कुछ गैर–सरकारी संगठन आगे आए हैं और प्रभावित श्रमिकों को भोजन व अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर ने 300 से ज्यादा मजदूरों से मुलाकात कर उन्हें मदद का भरोसा दिया है। वहीं, अधिकारियों ने मजदूरों को सलाह दी है कि वेतन विवाद के निपटारे तक वे नई नौकरी तलाश सकते हैं। इसके लिए उन्हें विशेष पास भी दिया जा सकता है, जिससे वे कानूनी रूप से सिंगापुर में रह सकें। हालांकि, श्रमिक अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि नई नौकरी पाना भी आसान नहीं है। कई मजदूर पहले ही भर्ती एजेंसियों को भारी फीस चुका चुके हैं और अब आर्थिक तंगी के कारण दोबारा एजेंसी शुल्क देने की स्थिति में नहीं हैं। सामाजिक संगठनों का कहना है कि कई प्रवासी मजदूर भाषा, कानूनी प्रक्रिया और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने से हिचकते हैं। साथ ही उन्हें यह डर भी रहता है कि शिकायत करने पर उनका वर्क परमिट रद्द कर उन्हें वापस भेजा जा सकता है। फिलहाल सिंगापुर के श्रम मंत्रालय और संबंधित एजेंसियां मजदूरों की शिकायतों की जांच कर रही हैं। श्रमिक संगठनों का कहना है कि जिन्होंने काम किया है, उन्हें उनका पूरा वेतन मिलना ही चाहिए और यह उनका अधिकार है, कोई एहसान नहीं। यह पूरा मामला सामने आने के बाद बुधवार को सिंगापुर सरकार ने घोषणा की कि भारत और बांग्लादेश के लगभग 400 प्रवासी मजदूरों को सिंगापुर सरकार से एसजीडी 200 नकद और वाउचर के रूप में मिलेंगे। नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस के सेक्रेटरी–जनरल और लेबर चीफ एनजी ची मेंग ने कहा कि सिंगापुर का सबसे बड़ा मजदूर संगठन और छळ श्माइग्रेंट वर्कर्स सेंटरश हर मजदूर को रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने में मदद के लिए एसजीडी 100 नकद और एसजीडी 100 के फेयरप्राइस (सुपरमार्केट) वाउचर देगा। एनजी ने आगे बताया कि छज्ब्ब ने पिछले दो दिनों में लगभग 40 नियोक्ताओं (एम्प्लॉयर्स) के यहां कंस्ट्रक्शन के काम में 150 खाली जगहें (वैकेंसी) भी ढूंढ निकाली हैं।

ग्रीन कार्ड धारकों की बढ़ीं मुश्किलें, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला– अपराध किया तो मिलेगा देश निकाला

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक अहम फैसला दिया, जिससे अमेरिका में रहने वाले ग्रीन कार्ड धारकों की परेशानी बढ़ना तय है। दरअसल इस फैसले के बाद अगर कोई ग्रीन कार्ड धारक नैतिक पतन से जुड़ा अपराध करता है तो उसे स्थायी नागरिक होने के बाद भी अमेरिका से निर्वासित किया जा सकेगा। अमेरिका के सीमा सुरक्षा अधिकारियों को अब ऐसे लोगों को अमेरिका से निकालना आसान होगा। अमेरिकी न्यायाधीश क्लेरेंस थॉमस ने फैसले में कहा कि आव्रजन अधिकारियों को अब स्पष्ट सबूतों की जरूरत नहीं होगी और अगर उन्हें लगता है कि अपराध हुआ है तो भी वे कार्रवाई कर सकते हैं। जज ने कहा कि अप्रवासन और नेशनलिटी एक्ट में सबूतों की जरूरत की बात नहीं है। दरअसल एक याचिकाकर्ता मुक चोइ लाउ ने अपनी याचिका में बताया कि वह चीनी नागरिक है, लेकिन उसके पास अमेरिका में स्थायी निवास के लिए ग्रीन कार्ड है।

ट्रेडमार्क में जालसाजी के आरोप में लाउ को साल 2012 में चीन से लौटते समय न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवेश नहीं दिया गया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

ईरान यात्रा पर भारतीयों के लिए नई एडवाइजरी जारी, गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी वार्ता अगले सप्ताह की शुरुआत में फिर से शुरू होगी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने इस्लामाबाद में पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि बातचीत अगले सप्ताह मंगलवार को फिर से शुरू होगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सोमवार या बुधवार भी संभावित तारीखें हो सकती हैं, हालांकि उन्होंने चर्चा के स्थान के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने ईरान की यात्रा को लेकर नई एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने कहा है कि हालांकि ईरान में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है, फिर भी भारतीय नागरिक अभी वहां की गैर–जरूरी यात्रा से बचें। जो भारतीय नागरिक इस समय ईरान में हैं या जिन्हें बहुत जरूरी काम से वहां जाना है, उन्हें बेहद सावधान रहने की सलाह दी गई है। दूतावास ने नागरिकों से स्थानीय खबरों पर नजर रखने और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने को कहा है। साथ ही, सभी भारतीयों को दूतावास में अपना पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है ताकि जरूरत पड़ने पर मदद दी जा सके।

किसी भी आपात स्थिति के लिए दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर (989128109115, 989128109109, 989128109102, 989932179359) भी जारी किए हैं। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के बाद उठाया गया है। 17 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत बातचीत के लिए 60 दिनों का संघर्ष विराम तय हुआ है। भारत ने इस समझौते का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि शांति के लिए बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। भारत ने हमेशा तनाव कम करने और कूटनीति का समर्थन किया है। इससे क्षेत्र में व्यापार और शांति बहाल होने की उम्मीद है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने खाड़ी दौरे की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से की है, जहां वह अमेरिका–ईरान शांति समझौते को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अबू धाबी पहुंचने पर उन्होंने कहा कि हाल की बातचीत से प्रगति की नींव रखी गई है, लेकिन अभी भी कुछ अहम मुद्दों पर और चर्चा की जरूरत है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि पश्चिम एशिया दौरे के दौरान अमेरिका और ईरान के बीच जो भी समझौता होगा, उसमें यह बात तय की जाएगी कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पूरी स्वतंत्रता के साथ जारी रहे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान परमाणु कार्यक्रम के सर्वोच्च स्तर के निरीक्षण के लिए तैयार हो गया है। हालांकि, तेहरान ने कहा कि इस प्रक्रिया का कोई स्पष्ट कार्यक्रम तय नहीं है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने स्पष्ट किया कि जारी बातचीत में देश के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर कोई चर्चा नहीं होगी। इस्राइल और लेबनान के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में पांचवें दौर की बातचीत को इस्राइली पक्ष ने पूरी तरह विफल बताया है। दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सेना की गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जिसे हिजबुल्ला ने युद्धविराम का गंभीर उल्लंघन बताया। अमेरिकी सीनेट ने पहली बार युद्ध शक्तियों से जुड़ा प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्देश दिया गया है। ओमान ने घोषणा की कि उसने अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के साथ समन्वय कर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए एक अस्थायी समुद्री गलियारा उपलब्ध कराया है। देश की सरकारी समाचार एजेंसी ने इस बारे में जानकारी दी। ओमान के अनुसार, इस अस्थायी मार्ग का उपयोग करने वाले जहाजों को आईएमओ के साथ समन्वय करना होगा। यह प्रक्रिया ओमान और आईएमओ की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार पूरी की जाएगी।

यह कदम रणनीतिक रूप से अहम जलमार्ग से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और समुद्री कानूनों के अनुरूप बताया गया है, जिनमें बिना किसी पारगमन शुल्क के नौवहन की स्वतंत्रता का प्रावधान है। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों को लेकर किसी भी तरह की बातचीत नहीं की जाएगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते और हुई प्रगति को बाधित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, हालांकि उन्होंने किसी देश या पक्ष का नाम नहीं लिया।

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।